हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 159, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 1 दिसम्बर, 2022 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल हो आपदा प्रबंधन, बढ़ाएं जागरुकता : मुख्यमंत्री

लापरवाही से होती हैं सड़क दुघर्टनाएं, रोकना बड़ी चुनौती : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए सतर्कता और जागरूकता को बढ़ाये जाने की जरूरत बताई है। आपदा प्रबंधन को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर बल देते हुए उन्होंने कहा है कि अगर लोगों को यह पता होगा कि बाढ़, भूकम्प, आकाशीय बिजली, अग्निकांड आदि के समय उन्हें कैसी सावधानियां बरतनी चाहिए तो निश्चित ही बड़ी जनहानि से बचा जा सकता है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित विभिन्न राज्यों के आपदा प्रबंधन प्रधिकरणों के इस दो दिनी तृतीय क्षेत्रीय सम्मेलन में आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने मिजार्पुर और सोनभद्र जैसे जिलों में आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि की जानकारी देते हुए इसे रोकने के लिए अलर्ट सिस्टम को और बेहतर करने की आवश्यकता भी जताई। मुख्यमंत्री ने आपदाओं की रोकथाम में आपदा मित्रों की भूमिका की सराहना करते हुए इस कार्य में ग्राम पंचायतों को जोड़ने और आपदा मित्रों की संख्या बढ़ाने पर भी बल दिया। दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र भारतीय मनीषा में बताए गए तीन प्रकार की आपदाओं (आदि दैविक, आदि भौतिक और आदि दैहिक) का संदर्भ लेते हुए सीएम ने तीनों के संबंध में प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की चर्चा भी की। उत्तर प्रदेश की विशेष भौगोलिक

परिस्थितियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेश में हर साल बड़ी जन-धन हानि का कारण बनती रही बाढ़ आपदा के स्थायी समाधान के लिए जारी प्रयासों से भी सभी को अवगत कराया। सीएम ने कहा कि कुछ साल पहले तक यूपी के 38 जिले हर साल बाढ़ से प्रभावित होते थे। व्यापक तौर पर जनधन की हानि होती थी। आज यह मात्र 4 जिलों तक सिमट कर रह गई है। इस सफलता के पीछे के प्रयासों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब सरकार बनी तो उनके पास बाढ़ बचाव के संबंध में एल्गिन ब्रिज से जुड़ी 100 करोड़ खर्च की फाइल आई। इतनी बड़ी राशि हर साल एक जगह खर्च होती थी। ऐसे में उन्होंने खुद इस स्थल का निरीक्षण किया और नदी की ड्रेजिंग कर चैनेलाइज कराने का निर्णय लिया। नतीजा, बहराइच, गोंडा और बाराबंकी बाढ़ से बचे ही, 100 करोड़ के खर्च की जगह मात्र 5 करोड़ खर्च हुए।

राज्यों के आपदा प्रबंधन प्रधिकारणों के इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं की ओर भी सभी का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना, जिसने पूरी दुनिया को बांध कर रख दिया था, उससे उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी आबादी वाले राज्य में अब तक 30 हजार लोगों की मृत्यु हुई है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं के कारण हर साल करीब 22 हजार लोग असमय काल-कवलित हो जाते हैं। इसके पीछे कहीं-कहीं खराब रोड इंजीनियरिंग का कारण सम्भव है पर हेलमेट, सीटबेल्ट का प्रयोग न करना, शराब पीकर वाहन चलाना, ओवर स्पीडिंग सबसे बड़े कारण हैं। इसे रोकने के लिए हमें जागरूकता बढ़ानी होगी। दो दिनी क्षेत्रीय सम्मेलन की सार्थकता के लिए शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर भारत के 09 ऐसे राज्य हैं जो आपदाओं से प्रायः प्रभावित होते रहे हैं। इन्हें न्यूनतम करने के लिए यूपी जैसे देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य में आयोजित यह दो दिनी अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

शिवपाल- अखिलेश को 'छोटे नेताजी' कहकर पुकारें, डिंपल बोलीं- मैनपुरी के लोग नेताजी का परिवार

इटावा। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को आप सभी छोटे नेता जी कहकर बुलाएं। यह बात बुधवार को तहसील क्षेत्र के भरतिया कोठी में चल रही जनसभा में कही। उन्होंने कहा नेता जी के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। नेताजी को आप सभी का प्यार जैसे मिला वैसे ही छोटे नेताजी को भी मिलना चाहिए। इस दौरान शिवपाल यादव ने भाजपा के मैनपुरी से उम्मीदवार रघुराज शाक्य पर भी निशाना साधा। साथ ही, उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई भाजपा से नहीं, पूरी सरकार से है। कार्यकताओं से अपील की कि कोई गाली भी दे, तो उसे बर्दाशत कर लेना, लेकिन पुलिस की पकड़ में मत आना। वहीं, सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने कहा कि नेताजी ने मैनपुरी का विकास किया। मैनपुरी के लोग नेताजी का परिवार हैं। इसलिए पहले की इस बार भी अपना आशीर्वाद सपा को जरूर दें। इससे पहले सपा उम्मीदवार डिंपल यादव ने भी सपा के कार्यकताओं को अपने घर में न सोने की सलाह दी थी। डिंपल यादव ने भोगांव में चुनाव जनसभा में कहा था कि मैं अपने युवा मित्रों से कहना चाहती हूं कि चार दिसंबर को प्रशासन आप पर सख्त कार्रवाई करेगा। चार दिसंबर को आप अपने घरों में न सोएं।

बहराइच : ट्रक ने रोडवेज बस को मारी टक्कर, छह की मौत, 15 घायल

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 यात्री घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवेदनाएं व्यक्त की हैं। जानकारी के अनुसार, बहराइच-लखनऊ हाईवे पर बुधवार की सुबह जरवल रोड के घाघराघाट स्टेशन के पास जयपुर से बहराइच आ रही ईदगाह डिपो की बस ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का पीछे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। वहीं 15 से ज्यादा लोग घायल हैं। हादसे की सूचना पर पहुंची जरवल पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। वहीं भीषण सड़क हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र, एसपी केशव कुमार चौधरी समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

बढ़ सकता है मौत का आंकड़ा- भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक समेत छह लोगों की मौत बताई जा रही है। वहीं इस हादसे में 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जिनमें से आधा दर्जन की हालत गंभीर है। ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र का कहना है कि सुबह हृदय विदारक दुर्घटना हुई है। जिसमें जयपुर से आ रही ईदगाह डिपो की बस में सवार छह लोगों की मौत हो गई है। 15 लोग घायल हैं। पुलिस कर्मियों ने सभी का रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती करवाया है। सभी अधिकारियों को घायलों की हर संभव मदद के निर्देश दिए गए हैं।

हादसे के तीन मृतकों की हुई पहचान- हादसे में अजीत विश्वास (27) पुत्र अतुल विश्वास निवासी वर्धमान पश्चिम बंगाल, विपिन शुक्ला (21) पुत्र अरुण शुक्ला निवासी मरौचा डोकरी थाना बौंडी, एहसान (18) पुत्र शफीक निवासी मकराना राजस्थान, हेलालुदीन (32) निवासी सोथा गोलघर थाना कोतवाली नगर जनपद बंदायू, अनूप विश्कर्मा (20) निवासी वार्ड नम्बर मुलावरी जिला डांग, नेपाल और छठे मृतक ट्रक चालक की पहचान नही हुई है।

ये यात्री गंभीर रूप से हुए घायल- हादसे में नेपाल निवासी शिवा (32), ओम प्रकाश (26) पुत्र नरेन्द्र कुमार निवासी सरडीहा थाना दरगाह शरीफ, कन्हई लाल (25) पुत्र इन्द्र प्रताप दहसरा थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती, दुर्गा (32) पुत्र अमला निवासी सुरखैत नेपाल, प्रेम (48) पुत्र रतन सिंह निवासी नेपाल, विशाल (21) पुत्र मदन निवासी सुखैत नेपाल, शकुन्तला (38) पत्नी चन्द्र बहादुर दमई निवासी देवलखाडा नेपाल, अबरार (14) पुत्र मोहम्मद शफीक निवासी मकराना राजस्थान, छेपली (25) पुत्र शौकत अली निवासी मकराना, राम प्रकाश (39) पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी चहलारी सीतापुर, धनीराम (45) पुत्र गोकुल कोमल बाजार नेपाल, करिश्मा पाण्डेय (32) पुत्री शिवकान्त निवासी रनिया कानपुर देहात, संदीप कुमार (26) पुत्र लक्ष्मीशंकर निवासी इटावा, अतुल विश्वास (45) पुत्र आदित्य निवासी कलकत्ता हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुंछ के सुरनकोट में हथियार बरामद सेना का क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी

जम्मू। पुंछ के सुरनकोट के नबाना गांव में सेना ने हथियार और गोला बारूद बरामद किए हैं। आतंकियों की मौजूदगी को मद्देनजर रखते हुए सेना ने पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान छेड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय पुलिस और सेना की ओर से पुंछ जिला के सुरनकोट तहसील में उच्च पर्वतीय क्षेत्र पर स्थित नबाना गांव में तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों की एक पनागाह से हथियार और गोला बारूद बरामए हुए। सेना और पुलिस को आतंकियों की पनाहगाह से दो एके राइफल जिसमें एक एके 47 और एक एके 56 राइफल शामिल हैं। इसके अलावा एके की सात मैगजीन, एक पिस्तौल और मैगजीन, पांच चीन निर्मित ग्रेनेड और 7.72 एमएम के 69 राउंड बरामद हुए हैं। इसके उपरांत पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान जारी है।अन्य विवरण प्रतीक्षारत हैं। इसी बीच बीएसएफ के आइजी डीके बुरा ने आज यानी बुधवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि जम्मू में सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यहीं वजह है कि सतर्क सीमा प्रहरियों ने सीमा पार पाकिस्तान की ओर से सात आतंकी की घुसपैठ की नापाक कोशिशों को नाकाम किया है। उन्होंने साफतौर पर कहा कि सीमा पर घुसपैठ किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कोई ऐसा दुस्साहस करेगा तो उसका जवाब उसी की भाषा में दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर सीमा प्रहरियों के साथ-साथ सीमांत ग्रामीणों का भी योगदान काफी अहम होता है। सीमांत ग्रामीण एक सीमा प्रहरी की तरह दुश्मन देश की हर नापाक हरकत पर नजर रखते हैं। सीमा प्रहरियों और सीमांत ग्रामीणों के बीच आपसी तालमेल होना बहुत जरूरी है। अक्सर देखा जाता है कि जब सीमांत किसान खेती में व्यस्त होते हैं तो सीमा प्रहरी उनकी सुरक्षा में पूरी तरह से सतर्क रहते हैं। यही वजह है कि अब सीमा क्षेत्र के साथ लगने वाली किसानों की भूमि पर भी अन्न पैदा होने लगा है।

अमित शाह का बड़ा दावा- चुनाव में एक भी सीट नहीं जीतेगी आम आदमी पार्टी

अहमदाबाद। गुजरात में एक दिसंबर को पहले चरण की वोटिंग से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आम आदमी पार्टी पर जोरदार हमला बोला। गुजरात विधानसभा चुनाव में आप के उतरने के सवाल पर अमित शाह ने कहा कि हर पार्टी को चुनाव लड़ने का अधिकार है, लेकिन यह लोगों पर निर्भर है कि वे पार्टी को स्वीकार करते हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों के दिमाग में आप कहीं नहीं है। चुनाव नतीजों का इंतजार कीजिए, शायद सफल उम्मीदवारों की सूची में आप का नाम न आए। कांग्रेस पर शाह ने कहा कि यह अभी भी मुख्य विपक्षी पार्टी है, लेकिन पार्टी संकट के दौर से गुजर रही है, और इसका असर गुजरात में भी दिखाई दे रहा है।

एक समाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता, राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान गुजरात के सर्वांगीण विकास और जीरो तुष्टिकरण नीति को लागू करने को पिछले कुछ वर्षों में लोगों द्वारा बार-बार भाजपा में विश्वास जताने का मुख्य कारण बताया। शाह ने कहा कि भाजपा गुजरात में अभूतपूर्व जीत दर्ज करेगी। लोगों को हमारी पार्टी और हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा कि राजनीति में निरंतर प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा मेरा

हमेशा से मानना रहा है कि राजनेताओं को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है और यह अच्छा है जब कोई कड़ी मेहनत करता है। लेकिन राजनीति में निरंतर प्रयास ही परिणाम दिखाते हैं। इसलिए इंतजार करें और देखें। अमित शाह ने कहा कि किसी छात्र के मौलिक चिंतन को उसकी मातृ भाषा में आसानी से विकसित किया जा सकता है और मौलिक चिंतन तथा अनुसंधान के बीच मजबूत संबंध है। इतिहास की शिक्षा पर अमित शाह ने कहा कि वह छात्रों से 300 जननायकों का अध्ययन करने का अनुरोध करते हैं, जिन्हें इतिहासकारों ने उचित श्रेय नहीं दिया और साथ ही 30 ऐसे साम्राज्यों के बारे में जानने का अनुरोध करते हैं, जिन्होंने भारत पर राज किया और शासन का बहुत अच्छा मॉडल स्थापित किया। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि लोग और छात्र देश के असली इतिहास के बारे में जानें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि राज्यों को चिकित्सा, तकनीक और कानून के क्षेत्र में हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल करनी चाहिए, ताकि देश गैर-अंग्रेजी भाषी छात्रों की प्रतिभा का इस्तेमाल कर सके। हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शाह ने कहा कि अगर छात्रों को उनकी मातृ भाषा में पढ़ाया जाए तो उनमें आसानी से मौलिक चिंतन की प्रक्रिया विकसित हो सकती है और इससे अनुसंधान तथा नवोन्मेष को बढ़ावा मिलेगा।

संसद में भाषण देगी पंजाब की छात्रा योगिता, बोलीं- सोचा नहीं था कि इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करूंगी

गुरदासपुर। संसद में तीन दिसंबर को होने जा रहे नेशनल यूथ संसद कार्यक्रम में देशभर के सात राज्यों के युवा विद्यार्थी अलग-अलग विषयों पर संबोधित करेंगे। पंजाब में प्रतिनिधित्व करने के लिए अलग-अलग चरणों से गुजरी सीमावर्ती कस्बे डेरा बाबा नानक की छात्रा योगिता का चयन किया गया है। इस उपलब्धि के लिए योगिता ने परिवार व अपने अध्यापकों के सहयोग और परमात्मा शुक्रिया किया। योगिता की इस उपलब्धि पर परिवार में खुशी की लहर है। परिवार परमात्मा का शुक्रिया करते थक नहीं रहा। योगिता का कहना है कि उसने कभी सोचा भी नहीं था कि वह यह उपलब्धि हासिल करेगी और उसका देश की संसद में पंजाब के प्रतिनिधित्व के लिए चयन होगा। कार्यक्रम तीन दिसंबर को प्रथम राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर होगा। योगिता का कहना है कि उसे देश के पहले राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद की जीवनी और उनकी जीवनयात्रा से जुड़ा विषय मिला है। योगिता ने शिक्षा डेरा बाबा नानक और फिर सरकारी कालेज गुरदासपुर से हासिल की है। अब उसने ग्रेजुएशन की है। योगिता जिला व प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती रही हैं। संसद में भाषण के लिए चयन के लिए योगिता का कहना है कि यह इतना आसान नहीं था। देश के 25 राज्यों से बच्चे थे, उनमें से सिर्फ सात राज्यों से बच्चों का चयन हुआ है। यह पूछे जाने पर कि वह क्या बनना चाहती हैं योगिता ने कहा वह टीचर बनना चाहती हैं। परिवार में योगिता की मां अनीता रानी और दादा जगदीश मित्तर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह बड़े गर्व की बात है। आज योगिता जिस उपलब्धि पर है, वह अपनी मेहनत की बदौलत है। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि योगिता इतनी बड़ी उपलब्धि को हासिल करेगी।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बोले पिछड़ों के विरोधी हैं अखिलेश यादव

मैनपुरी, जागरण टीम। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अखिलेश यादव को पिछड़ा विरोधी करार दिया। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में घिरोर के गोपाल राइस मिल में आयोजित

किसान सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव और उनका परिवार समाजवादी नहीं, पिछड़ों के विरोधी हैं। वह अपने अलावा किसी अन्य को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहते है। उनको यह मंजूर नहीं कि एक पिछड़ा केशव प्रसाद मौर्य चुनाव हारने के बाद भी दूसरी बार उपमुख्यमंत्री कैसे बन गया। विधानसभा सत्र की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मैनपुरी की जनता उनके अपशब्दों का जवाब उनको हराकर देगी। भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य के समर्थन में किसान सम्मेलन को संबोधित करने आए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विधानसभा में अखिलेश यादव नेता विपक्ष के रूप में मौजूद थे और मैं उप मुख्यमंत्री के रूप में। वहां बहस में उन्होंने आपा खो दिया। वो सोच रहे थे कि मैं एक मुख्यमंत्री का बेटा रहा हूं, खुद भी मुख्यमंत्री रहा हूं। ऐसे में एक पिछड़ा केशव प्रसाद मौर्य ऐसा कैसे बोल सकता है। उन्होंने जिस भाषा का प्रयोग किया। मैं भी उसी भाषा में जवाब दे सकता हूं, परंतु मेरा संस्कार ऐसा नहीं। अब मैनपुरी की जनता कमल के फूल का बटन दबाकर उनको जवाब देगी। सपा पर हमला बोलते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके समय में जब किसान खेत में मेहनत कर उगाई फसल बेचकर आता था तो उसके रुपये सपा के संरक्षण में पहले वाले गुंडे लूटकर ले जाते थे। जमीनों पर कब्जे करते थे, जबरन बैनामा करा लेते थे। परंतु अब योगी सरकार में किसी में किसान को लूटने की हिम्मत नहीं। केंद्र सरकार सम्मान निधि देकर किसानों को सबल बना रही है। केंद्र व प्रदेश की अनेक योजनाएं किसानों, गरीबों सहित हर वर्ग को लाभ दे रहीं है। वे लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते थे। हम सबका साथ सबका विकास की बात करतें हैं।

'मैंने जुल्म किए होते तो पैदा होने से पहले बच्चा मां से कहता, आजम से पूछ लो', सपा नेता का बेतुका बयान

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां सपा प्रत्याशी आसिम रजा के समर्थन में धुआंधार चुनावी सभाएं कर रहे हैं। इस दौरान वह भावुक भाषण भी दे रहे हैं। उनके भाषणों पर जमकर तालियां बज रही हैं। मंगलवार को एक सभा के दौरान आजम खां द्वारा दिए गए भाषण का एक अंश इंटरनेट मीडिया पर खूब प्रसारित हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि पैदा होने से पहले बच्चा अपनी मां से कहता कि पहले आजम खां से पूछ लो कि बाहर निकलना भी है या नहीं। इस दौरान आजम ने कहा कि वफादार आज भी हमारे साथ हैं, जबकि ठेकेदार भाग गए हैं। वह अपनी कोठियों का हिसाब नहीं दे पा रहे थे। भाजपा के मंच पर अब अपराधी भी बैठ रहे हैं। सपा प्रत्याशी के समर्थन में आजम खां ने नालापार मुहल्ले में हुई चुनावी सभा में कहा कि आज की सरकार हमारे और तुम्हारे पर जुल्म कर रही है। हमारी भी चार बार सरकार रही। तुम सबकी मुस्कुराहट की कसम अगर मैंने इतने जुल्म किए होते तो पैदा होने से पहले बच्चा अपनी मां से पूछता कि आजम खां से पूछ लो हमें बाहर निकलना है या नहीं। हमने तो कभी ऐसा जुल्म किसी पर नहीं किया। मैंने हमेशा दिलों को मिलाया है। हमें तो जिसने भी प्यार से बुलाया हम उसी के हो लिए। आजम ने कहा कि बहुत सारी सरकारें आईं और गईं। हमारी सरकार भी आई और गई, लेकिन हमारी सरकार में भाईचारा और शांति थी। अब घरों के दरवाजे तोड़े जा रहे हैं। औरतों को थप्पड़ मारे जा रहे हैं। घसीटकर थानों में बंद किया जा रहा है। हमने तो मंत्री बनकर अपने शहर में सड़कें बनवाईं, इमारतें बनवाईं, गरीबों के लिए घर बनवाएं। आजम ने कहा कि मैं अपने बेटे की उम्र साबित नहीं कर सका। उसे पैदा करने वाली मां अपनी औलाद की उम्र साबित नहीं कर सकी। यह हमारी बदकिस्मती नहीं तो क्या है। पैन कार्ड दो नहीं एक है। एक खारिज हुआ तो दूसरा बना।

मांझी को मंजूर नहीं सीएम नीतीश का फैसला कहा- ताड़ी नेचुरल जूस, बैन लगाना ठीक नहीं

पटना। बिहार में ताड़ी को लेकर सियासत तेज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक तरफ जहां ताड़ी का व्यवसाय छोड़कर अन्य काम करने के लिए एक लाख की मदद दे रहे हैं, वहीं जीतन राम मांझी की ताड़ी को लेकर अलग ही राय है। मांझी का कहना है कि ताड़ी नेचुरल जूस है। इसे बैन करना ठीक नहीं है। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के संरक्षक व पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने बुधवार को कहा है कि ताड़ी नेचुरल जूस है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है कि ताड़ी पर बैन लगाना ठीक नहीं है। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जो मन में ठान लेते हैं उसे करके दिखाना चाहते हैं। ताड़ी के व्यवसाय से बिहार के लाखों लोग जुड़े हैं। इसे शराब की श्रेणी में नहीं रखना चाहिए। इस पेशे से समाज के कई लोग जुड़े हैं। मांझी ने यह भी कहा कि ताड़ी से ला एंड आर्डर पर भी कई असर नहीं पड़ता है। उन्होंने ताड़ी पर प्रतिबंध को गलत

बताया है। हालांकि कि मांझी ने यह भी कहा कि ये उनकी पार्टी की नही व्यक्तिगत राय है। मांझी ताड़ी बैन को गलत बता रहे हैं, लेकिन बिहार सरकार ताड़ी एवं शराब के उत्पादन, बिक्री और इससे किसी भी तरह से जुड़े रहे परिवार व लोगों द्वारा इस धंधे को छोड़कर दूसरा काम करने पर एक लाख रुपये देगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित इस योजना का दायरा बढ़ाने की मंजूरी मिल गई। सतत जीविकोपार्जन योजना का मुख्य उद्देश्य देसी शराब और ताड़ी की बिक्री व उत्पादन छोड़कर दूसरे काम करने वाले गरीब परिवार के लोगों को दूसरा रोजगार उपलब्ध कराना है। इसके लिए 610 करोड़ रुपये की स्वीकृति कैबिनेट ने दी है। बिहार में लागू शराबबंदी कानून पर भी जीतन राम मांझी कई बार सवाल उठा चुके हैं। मांझी कई मौके पर सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि बिहार के कई बड़े अधिकारी रात में शराब का सेवन करते हैं।

संपादकीय

खतरे की सेंध

खासतौर पर तब जब ऐसे सवाल लगातार उठ रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति से संबंधित डेटा या आंकड़े बेहद महत्त्वपूर्ण होते हैं, इसलिए उन्हें चोरी होने से बचाना सरकार की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए। गौरतलब है कि करीब एक सप्ताह पहले एम्स के सर्वर में सेंधमारी की सूचना मिली थी। तब से तकनीकी विशेषज्ञों की लगातार कोशिशों के बावजूद उसे पहले की तरह ठीक करने में कामयाबी नहीं मिल सकी। आशंका जताई जा रही है कि सर्वर में मौजूद करीब तीन से चार करोड़ लोगों के तमाम आंकड़े, पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों, नौकरशाहों जैसे खास और नामचीन हस्तियों और उनकी सेहत के बारे में दर्ज ब्योरों या डेटा को चुराया गया है। सवाल यह है कि क्या उनका बेजा इस्तेमाल भी हो सकता है? फिलहाल संबंधित महकमों की ओर से यही कहा जा रहा है कि इसे ठीक करने में कुछ दिन और लग सकते हैं, लेकिन इस घटना के साथ ही इससे जुड़े खतरों को लेकर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। इस बीच यह खबर भी आई कि सेंधमारी करने वालों ने दो सौ करोड़ रुपए फिरौती की मांग की है। मगर मंगलवार को दिल्ली पुलिस इस बात का खंडन किया। इसके बावजूद यह सच है कि बीते एक हफ्ते से एम्स का सर्वर अगर किसी सामान्य तकनीकी खराबी की वजह से ठप नहीं है तो किसी साइबर अपराधी के नियंत्रण में है और इस घटना में यही बात अपने आप में सबसे ज्यादा गंभीर है। यह केवल कामकाज में असुविधा का मसला नहीं है। एम्स के सभी तरह के कामकाज के लिए तो समांतर वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी की जा सकती है। तात्कालिक तौर पर सामान्य या पुराने तरीके से भी काम चलाया जा सकता है। लेकिन मरीजों से जुड़े तमाम ब्योरों से लेकर सभी तरह की व्यवस्थाओं का जिस तरह डिजिटलीकरण हो गया है, उनका चोरी हो जाना शायद दूरगामी स्तर पर घातक स्थितियां पैदा कर सकता है। यही वजह है कि एम्स के सर्वर में सेंध लगाने के बाद सबसे गहरे सवाल साइबर सुरक्षा को लेकर उठ रहे हैं। यों इससे पहले भी अलग-अलग मौकों पर किसी संस्थान या कंपनी की वेबसाइट हैक होने की खबरें आती रही हैं और उसी के मद्देनजर इसके खतरों की भी पहचान की गई है। लेकिन हालत यह है कि देश के नागरिकों के बारे में सबसे संवेदनशील जानकारी जुटा कर उन्हें डिजिटल रूप में रखने की सुविधाएं तो बताई जाती हैं, मगर उनके पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर अब तक कोई आश्वासन नहीं है। अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं कि हजारों लोगों का डेटा चुरा लिया या बेच दिया गया। सवाल है कि इस तरह डेटा खरीदने या फिर चुराने वाले लोग या गिरोह क्या बेवजह ऐसा करते होंगे? डिजिटल निर्भरता के दौर में डेटा हासिल करके मनमाने तरीके से लोगों पर नियंत्रण की बढ़ती प्रवृत्ति के दौर में इसकी क्या गारंटी है कि किसी व्यक्ति या समूह से संबंधित आंकड़ों या ब्योरों को हथियार बना कर किसी बड़े नुकसान को अंजाम नहीं दिया जाएगा? आम नागरिकों से संबंधित निजी जानकारियों के डिजिटलीकरण या डेटा के सुरक्षित होने को लेकर सरकार अक्सर दावे करती रहती है, लेकिन हकीकत किसी से छिपी नहीं है।

रहे खूब टहल!

बार –बार पाला ।
बदल रहे सरकार ।।
धीरे धीरे पार्टी ।
ले रही आकार ।।
कभी इधर कभी उधर ।
रहे खूब टहल ।।
बन जाती जो इच्छा ।
है उसी में हल ।।
करता है जो मन ।
करते उस पर काम ।।
सोचना ना ज्यादा ।
हों भले नाकाम ।।
राह नहीं आसान पर ।
ना कोई उपाय ।।
बोल रहे समर्थक ।
आप ही सहाय ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अमेरिकी समाज में नस्लवाद की जड़ें

ट्रंप की पार्टी का बड़ा हिस्सा इसी रणनीति पर चल रहा है। अगर धोखे से अमेरिका ईसाई राष्ट्र बनता है, तो यह समूची दुनिया में धर्मनिरपेक्षता के लिए मारक घटना होगी और शायद दुनिया के बहुत सारे देश, जो धर्मनिरपेक्ष हैं, उन्हें एक धर्म का राष्ट्र बनने की ओर धकेलेगी। दुनिया में शक्ति संतुलन का स्वरूप बदल जाएगा। अमेरिका का जन्म ही एक प्रकार से साम्राज्यवाद से हुआ है। ब्रिटिश नस्ल के लोगों ने वहां पहुंच कर न केवल अमेरिकी भू-भाग पर आधिपत्य जमाया, बल्कि वहां के स्थानीय लोगों, जो अधिकतर आदिवासी और काले रंग के थे, को दास बनाया तथा उन्हें जंगलों तक सिकोड़ दिया। कुछ अंतराल के बाद इस दास प्रथा और सत्ता के विरुद्ध वहां के मूल निवासियों ने भारी विद्रोह किया। इस गृहयुद्ध के फलस्वरूप अंततः अमेरिकी सरकार ने दास प्रथा की समाप्ति की घोषणा की। अमेरिका में आजादी की प्रतिमा (स्टैचू आफ लिबर्टी) आजादी के प्रतीक के रूप में स्थापित की गई थी और वहां रंगभेद तथा नस्लभेद मिटाने के लिए न केवल कानून बनाए गए, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक अभियान भी चले।

अमेरिकी समाज एक खुले आजाद और सहनशील समाज के रूप में स्थापित हुआ था, जहां कोई दूसरे के भीतर तांक-झांक नहीं करता था। वहां की संपन्नता और सुविधायुक्त जीवन ने दुनिया को आकर्षित किया। द्वितीय विश्वयुद्ध तथा जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बमों का प्रयोग कर वह आर्थिक और सामरिक शक्ति के मामले में विश्व शक्ति बन गया। कई दशक तक अमेरिका एकमात्र विश्व शक्ति बना रहा और लगभग दो दशक के बाद जब साम्यवादी रूस और चीन की सामरिक शक्ति बढ़ी, तो अमेरिका को कुछ चुनौती मिली और शीत युद्ध आरंभ हुआ। शीत युद्ध एक प्रकार से कूटनीति और रणनीति के कौशल का युद्ध था, जिसमें सीधे हथियारों का प्रयोग अमेरिका का सैन्य समूह नेटो और साम्यवादी देशों का सैन्य समूह सेंटो युद्ध नहीं करते थे, बल्कि ये दोनों पीछे से अपने प्यादे और मोहरों को लड़ाते थे, उन्हें शस्त्र, धन आदि की आपूर्ति करते थे। लगभग दो दशक तक यह स्थिति रही और रूस के बिखराव के बाद अमेरिका फिर से एक नई विश्व शक्ति के रूप में स्थापित हो गया।

हालांकि बीसवीं सदी की समाप्ति और इक्कीसवीं सदी के आरंभ के बाद चीन ने अमेरिकी आर्थिक साम्राज्यवाद और एकमात्र विश्व शक्ति होने के दर्जे को चुनौती दी और इक्कीसवीं सदी के आरंभ के कुछ समय बाद ही वैश्विक परिदृश्य में बदलाव आया। पर दुनिया के पढ़े-लिखे और अपने आप को सभ्य समझने वाले लोगों के लिए अमेरिका रहने और सुखमय जीवन जीने के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। उन्नीसवीं सदी में अमेरिका दुनिया के लोगों की नजरों में एक लोकतांत्रिक राज्य था, जहां संपन्नता और आजादी दोनों उपलब्ध थीं। दुनिया के कला प्रेमियों के लिए फ्रांस और सुख उपभोग खोजियों के लिए अमेरिका सबसे उपयुक्त स्थान माना जाता था। हालांकि यह अमेरिका का बाहरी चेहरा था। शक्ति और संपन्नता के शीर्षकाल में भी अमेरिका सीआइए के माध्यम से समूची दुनिया के देशों में उथल-पुथल करने के बीजारोपण का केंद्र बना रहा और गैरअमेरिकी दुनिया के देशों को कैसे अस्थिर रखना है, कहां कैसे अनुकूल सरकारें बनवाना हैं या प्रतिकूल सरकारों को गिराना है, इन सब षड्यंत्रों का केंद्र भी अमेरिका रहा। हालांकि उन्नीसवीं सदी के अंत में अमेरिका में रंगभेद मिटाने के लिए कई सुनियोजित प्रयास हुए। काले और गोरों की शादियों की लोकतांत्रिक पहल भी हुई, यहां तक कि रंग परिवर्तन या नस्ल परिवर्तन के लिए तकनीकी उपाय, दवाएं और वैज्ञानिक प्रयोग भी शुरू किए गए। पर चीन की आर्थिक संपन्नता और सामरिक शक्ति के तेजी से विकास के बाद एक नए प्रकार का राष्ट्रवाद अमेरिका में शुरू हुआ है। जो अमेरिका पहले दुनिया भर के लोगों के लिए रोजगार का केंद्र था, वह अब प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बाहरी लोगों से मुक्ति पाना चाहता है। इसका पहला चरण है, आप्रवासियों को वापस भगाना, और इसके लिए अमेरिका ने ग्रेट रिप्लेसमेंट स्ट्रेटजीज पर काम करना शुरू किया है। किसी न किसी बहाने से आप्रवासियों के आने को रोका जा रहा है और जो आ चुके हैं उन्हें विभिन्न कठोर नियमों के आधार पर वापस जाने को बाध्य किया जा रहा है। अमेरिका में अवैध प्रवेश का सबसे बड़ा दरवाजा मैक्सिको का बफीर्ला इलाका था।

इस इलाके पर अमेरिका ने पर्याप्त अवरोध खड़े कर दिए हैं। वीजा के नियम क्रमशः सख्त किए जा रहे हैं, ताकि बाहर से वैधानिक आगमन न्यूनतम हो। तकनीकी विकास के माध्यम से वहां कारपोरेट का मुनाफा तो बढ़ रहा है, पर रोजगार क्रमशः कम हो रहे हैं। हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार वहां सूचना तकनीक के क्षेत्र में कई लाख रोजगार कम हो जाएंगे। एलेन मस्क और जुकरबर्ग ने भी छंटनी शुरू कर दी है और कई हजार लोग काम से हटाए गए हैं। ऐसे और भी रोजगार घटेंगे। दूसरी तरफ, अमेरिकी समाज में रंगभेद की कट्टरता बढ़ रही है। बाहरी लोगों के खिलाफ जो अमेरिकी नागरिकों में आनलाइन नफरत का प्रचार चल रहा है, उससे अमेरिकी युवकों में आप्रवासियों के खिलाफ नफरत की भावना बढ़ी है। जिस प्रकार पिछले दिनों भारत में भीड़ हिंसा की घटनाएं घटीं, उसी प्रकार अमेरिका में मास शूटिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। न्यूयार्क के बफेलो प्रदेश में सरकार ने इसके कारणों की जांच कराई तो पता चला कि आनलाइन मंचों पर घृणा की सामग्री इतनी अधिक फैलाई जा रही है, कि उससे आम अमेरिकी युवक न केवल बाहरी, बल्कि अश्वेत लोगों के खिलाफ भी हिंसक बन रहे हैं। अमेरिका के अटार्नी जनरल जेम्स ने अपनी रपट में इन आनलाइन और कट्टरपंथी विचारधारा के लोगों की भूमिका को स्वीकार किया है। बफेलो मास शूटिंग के अपराधी गोडरोल ने भी यही किया था। 7 सितंबर, 2022 को लाथन जानसन नामक व्यक्ति ने चौदह हिंदू महिलाओं पर हमला किया और उनकी माथे की बिंदी तथा साड़ियों पर टिप्पणी की।

यह अमेरिका में पनप रही एकमात्र भारत विरोधी घटना नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है। घृणात्मक प्रचार का परिणाम हम भारत में अनेक बार देख चुके हैं। अमेरिका में भी यह प्रचार भारत की तरह चल रहा है कि अमेरिका में 2010 में श्वेत आबादी चौंसठ प्रतिशत थी, जो अब घट कर साठ प्रतिशत रह गई है और 2045 में श्वेत अल्पसंख्यक हो जाएंगे। इस प्रचार ने अमेरिका में आम श्वेत युवकों में अन्यों के प्रति एक गहरी नफरत का भाव भरा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति खुलेआम नारा दे रहे हैं कि श्वेत-श्वेत को वोट दो और क्यूरिसर्च में यह बताया गया है कि अमेरिका के पैंतालीस प्रतिशत लोग अमेरिका को ईसाई राष्ट्र घोषित करना चाहते हैं। इससे अमेरिका में रंगभेद की क्रूरता और हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। ट्रंप की पार्टी का बड़ा हिस्सा इसी रणनीति पर चल रहा है। अगर धोखे से अमेरिका ईसाई राष्ट्र बनता है, तो यह समूची दुनिया में धर्मनिरपेक्षता के लिए मारक घटना होगी और शायद दुनिया के बहुत सारे देश, जो धर्मनिरपेक्ष हैं, उन्हें एक धर्म का राष्ट्र बनने की ओर धकेलेगी। दुनिया में शक्ति संतुलन का स्वरूप बदल जाएगा। अभी जो पूंजीवाद के विस्तार या साम्राज्यवाद के लिए युद्ध हो रहे हैं वे शायद धर्म युद्ध में बदल जाएंगे। यह नियोजित है या आकस्मिक, कहना मुश्किल है, पर दुनिया के प्रवृत्त जगत के एक बड़े हिस्से में यह चिंता का कारण है।

ऊंचे सपनों से उपजा दुख

अमीर तबके महंगे से महंगे स्कूलों में अपने बच्चों को भेज कर खूब बड़ा बना लेना चाहते हैं तो अभाव से जूझते लोग भी चाहते हैं कि किसी तरह उनका बच्चा सरकारी स्कूल में ही सही, थोड़ा पढ़-लिख ले, ताकि अनपढ़ होने के नाते जो मुसीबतें उन्हें उठानी पड़ीं, वे उनसे बच सकें। हालांकि इसका यह मतलब कतई नहीं कि सारी पढ़ाई करने का जिम्मा हमने या हमारे समाज ने ही उठा लिया हो। दूसरे देशों में भी शायद ही कोई माता-पिता या परिवार होगा जो न चाहता हो कि उनका बेटा या बेटी समाज में उनका नाम रोशन करें। यह तो एक सामान्य व्यवस्था बन चुकी है। लेकिन असल सवाल यह है कि क्या सिर्फ परीक्षाओं में ज्यादा से ज्यादा नंबर लाने की दौड़ ही शिक्षा और उच्च शिक्षा का अभिप्राय है? खासकर उस दौर में जब शिक्षा ज्यादा से ज्यादा मुनाफे की वसूली का व्यापार बन चुका है!

हमारे देश की जनसंख्या इतनी है कि कहीं सौ लोगों की दौड़ में जीतने वाला व्यक्ति या बच्चा हमेशा दस लोगों की दौड़ में जीतने वाले से बेहतर ही रहेगा हर आयाम में। यह समझने वाली बात है। लेकिन यहां स्पर्धा ही इतनी है जिसमें आगे रहने की शर्त बच्चों पर पोत दी जाती है। कभी जानबूझ कर तो कभी अनजाने में ही सही। पर क्या यह सही है? यह कौन बताए कि कौन कहां कितना सही और कौन कहां कितना गलत है और इस होड़ में क्या कुछ छूट रहा है और उससे क्या जटिलताएं पैदा हो रही हैं! सच यह है कि शायद हमेशा कहीं कुछ दबा-सा ही रह जाता है। हर अभिभावक के मन में कभी अपनी पूर्व असंतोष भावना या दिखावा होती है, जिसे हम संदर्भ के मुताबिक कुछ भी कह सकते हैं। लगभग सब अभिभावक की यही ख्वाहिश यही होती है कि काश हमारा बच्चा भी सौ में सौ नंबर प्राप्त करके दिखाए और फिर उसे हम विदेश भेजें। बच्चे को विदेश भेजने की इस इच्छा या सपने में फर्क बस यही है कि यह इच्छा सिर्फ अमीर तबकों के बीच पलती है।

गरीब तबके फिलहाल इस इच्छा से दूर हैं। हाल के वर्षों में सक्षम परिवारों में पढ़ा-लिखा कर या ऊंची पढ़ाई के लिए बच्चों को विदेश भेजने की इच्छा का चलन ज्यादा हो चला है। ऐसा लगता है कि बस यही बाकी था कि दिल से प्यारे अपने बच्चों को हर इंतजाम करके पढ़ाया-लिखाया जाए और अपने खून से सींचा जाए और फिर भेज दिया जाए खुद से सात समंदर पार किसी देश में। सिर्फ इस चाहत में कि उसे अच्छी नौकरी मिलेगी। आमतौर पर दिखने में अच्छी नौकरी मिल भी जाती है, क्योंकि बात फिर वही है कि सौ बटा दस का आंकड़ा अलग ही बात होती है। कई बार लगता है कि ऐसे लोग कभी और किसी मोड़ पर तो थकेंगे, जब किसी आपात अवस्था में इन्हें अपने बच्चों के अपने पास होने की सबसे ज्यादा जरूरत महसूस होगी! शायद तब उन्हें लगेगा कि कहीं गलती तो नहीं कर दी अपने बच्चे को दूर देश भेज कर। आजकल तो यों भी एक बच्चे का चलन हो चला है, लेकिन दिखावे की भूख है कि उसे भी लोग भेज देते हैं। इस मसले की गंभीरता पर सोचने-विचारने की जरूरत हमें नहीं लगती या इसके लिए हमें वक्त ही नहीं मिलता, क्योंकि हमें तो अड़ोस-पड़ोस में झगड़े में दिलचस्पी लेने से भी फुर्सत नहीं मिलती। होश तब आता है जब ऐसी खबरों से गुजरना पड़ता है कि बेटा विदेश में था और यहां के घर में अकेली रहती मां का कंकाल मिला! कभी लगता है कि शायद वही जमाना ठीक था जब परीक्षाओं में न सबसे ज्यादा नंबर लाने की होड़ थी, न ही विदेश भेजने के अनगिनत सपने थे। आज कहां जा रहे हैं, कभी पता ही नहीं चलता। सपनों की सीमा कहां खत्म होती है? एक मामला पड़ोस में था। इकलौता बच्चा चुन्नु बस दूसरी कक्षा में ही पढ़ता है। उसके अभिभावक खुद बहुत शिक्षित नहीं हैं, लेकिन संसाधन इतने हैं कि अपने बच्चे को विदेश ही भेजना चाहते हैं।

उनका मानना है कि करोड़ों की नौकरी करेगा वहां यहां है क्या हमारे चुन्नू के लिए! सवाल है कि ऐसे लोग क्या कभी सोच पाते हैं कि दिनोंदिन अगर सभी की सोच ऐसी होती गई तो यहां कौन बचेगा? एक परिचित महिला का कहना था कि दो महीने से बेटे का कोई फोन भी नहीं आया शायद वह अपनी पढ़ाई और काम में बहुत व्यस्त होगा। व्यस्तता का पहलू एक है, मगर खतरा यह है कि बेटे ने मां-बाप को भुला तो नहीं दिया होगा न! कभी सोचने के लिए मजबूर हो जाना पड़ता है कि सबकी सोच विदेश ही भाग रही है, ऐसे में काश कोई ऐसी सोच भी सामने आए और हम अपनी जड़ों के पास रह पाएं।

इजराइली फिल्मकार ने फिल्म का नहीं बल्कि कश्मीरी पंडितों के दर्द का अपमान किया है

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' पर इजरायली फिल्मकार और IFFI के जूरी हेड नदव लापिद के विवादित बयान पर भले उनके देश के राजदूत ने माफी मांग ली है लेकिन सवाल उठता है कि क्या ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में बिना जाने समझे उस पर टिप्पणी करना उचित है? फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' ने कश्मीरी पंडितों की पीड़ा को देश-दुनिया तक पहुँचाया और उन पर हुए अत्याचारों से दुनिया को रूबरू कराया, लेकिन इजराइली फिल्मकार ने उस फिल्म को बकवास और प्रचार का हथकंडा बता दिया जिसे देखने के बाद हर भारतीय की आंखों में आंसू थे।

इजराइली फिल्मकार नदव लापिद को जानना चाहिए कि फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' में जुल्मों को बड़े संयमित तरीके से दशार्या गया क्योंकि जस का तस पर्दे पर नहीं दिखाया जा सकता था। नदव लापिद को यह भी जानना चाहिए कि कश्मीरी पंडितों के लिए दर्द अब भी खत्म नहीं हुआ है। कश्मीर में पंडित/हिंदू आज भी खौफ के साये में जीने को मजबूर हैं। वैसे, इजराइल के राजदूत नाओर गिलन ने नदव लापिद को खुले पत्र में जो कुछ लिखा है वह काबिलेतारीफ है। इजराइली राजदूत ने माना है कि ये घटना भारत के लिए खुला जख्म है क्योंकि आज भी कई लोग उसकी कीमत चुका रहे हैं।

जहां तक कश्मीर में पंडितों पर हुए अत्याचार की बात है तो वह अब भी जारी है। कश्मीर में जब-तब शांति भंग करने के लिए कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी जाती है। हाल के दिनों में कई ऐसे कश्मीरी पंडितों पर निशाना साधा गया जोकि आतंकवाद के दिनों में भी घाटी से नहीं गये थे। यही नहीं, दूसरे प्रदेशों से आये प्रवासी मजदूरों और कर्मचारियों को भी निशाना बनाया गया क्योंकि डर का माहौल बनाये रखना था। दरअसल आतंकवाद कश्मीर में आखिरी सांसें ले रहा है इसलिए पाकिस्तान की शह पर शांति का माहौल बिगाड़ने और अल्पसंख्यकों के मन में भय पैदा करने के लिए कायरना हरकतें की जाती हैं। जम्मू-कश्मीर का बदलता माहौल जिनको नहीं भा रहा है वही तत्व लोगों की जान के दुश्मन बने बैठे हैं। लेकिन ऐसे तत्वों को सबक सिखाने के लिए हमारे सुरक्षा बल भी पूरी तरह मुस्तैद हैं। यही कारण है कि किसी भी हमले को अंजाम देने वाले 24 से 48 घंटे के अंदर मार गिराये जाते हैं। जहां तक कश्मीर में आतंक के बदले स्वरूप की बात है तो आपको बता दें कि पाकिस्तान की नई चाल के तहत हाइब्रिड आतंकवाद की समस्या खड़ी हुई है। यह जो हाइब्रिड आतंकवादी होते हैं वह पैसे के लालच में उन्हें

दिए गए एक या दो कार्यों को अंजाम देते हैं और उसके बाद अपने सामान्य जीवन में लौट जाते हैं। पहले कोई आतंकवादी बनता था तो सोशल मीडिया पर बम बंदूक के साथ फोटो खिंचवाकर डालता था और ज्यादा से ज्यादा प्रचार पाने के तरीके भी अपनाता था। ऐसे में पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए उसके चेहरे की पहचान करना आसान होता था लेकिन अब हाइब्रिड आतंकवादियों की पहचान मुश्किल इसलिए है क्योंकि वह आम लोगों के बीच का ही कोई चेहरा है जो घटना को अंजाम देने के बाद मासूम बन कर जनता के बीच में ही छिप जाता है।

कश्मीर के वर्तमान हालात की बात करें तो यकीनन 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन और अनुच्छेद 370 के हटने के बाद यहां लगातार सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। कश्मीर में हाल में लगभग 30 वर्ष बाद खुले सिनेमाघर इसी दिशा में उठाये गये नए कदम हैं। दरअसल कश्मीर में जिस प्रकार विकास की परियोजनाएं आ रही हैं, खेल और मनोरंजन सुविधाओं का विस्तार हो रहा है उसके चलते घाटी का माहौल पूरी तरह बदल चुका है। यहां अब बंद, हड़ताल, पत्थरबाजी, मस्जिदों से मौलानाओं की भड़काने वाली बातें गुजरे जमाने की बात हो चुकी हैं अब यहां स्टार्टअप्स खुल रहे हैं, सरकारी विभागों में पूरी पारदर्शिता के साथ नौकरी मिल रही है, नौकरी उन लोगों को भी मिल रही है जिनके पास 370 हटने से पहले आवेदन करने तक का अधिकार भी नहीं था। कश्मीर में सड़कों का जाल बिछ रहा है, संचार सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, पुल और पुलिया बन रहे हैं। इसके अलावा आज कश्मीर घाटी में फैशन शो हो रहे हैं, म्यूजिकल नाइटें हो रही हैं, राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताएं हो रही हैं। साथ ही अब कश्मीर में केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सब तक पहुँच रहा है। यही नहीं ग्रामीण इलाकों में बिजली, पानी जैसी बरसों पुरानी समस्या का निराकरण हो चुका है। इसके अलावा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में युवाओं का कौशल निखार कर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को किसी भी संकट से बचाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मदद दी जा रही है। इन सब प्रयासों से एक नया कश्मीर बना है लेकिन कश्मीर का यह बदला माहौल कई लोगों को रास नहीं आ रहा है इसलिए वह अनर्गल बयानबाजी करते रहते हैं। बहरहाल, इस नये कश्मीर में सुरक्षा बलों के प्रयासों में अब स्थानीय लोग भी पूरी तरह भागीदारी कर रहे हैं। अब कहीं मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों के ऑपरेशन में स्थानीय लोगों द्वारा बाधा नहीं खड़ी की जाती बल्कि उनकी मदद की जाती है। हाल ही में एक गांव में कश्मीरियों ने खुद आतंकवादियों को पकड़ कर सुरक्षा बलों के हवाले किया था। सीमावर्ती गांवों में भी संदिग्ध गतिविधियां देख कर गांव वालों की ओर से सुरक्षा बलों को सूचित किया जाता है जिससे उनको काफी मदद मिलती है। इस सबसे शायद इजराइली फिल्मकार परिचित नहीं होंगे या फिर वह पहले से ही अपने मन में कोई धारणा पाले होंगे जिसके चलते उन्होंने नकारात्मक टिप्पणी की है। कश्मीरी पंडितों के अपमान के लिए इजराइली फिल्मकार यदि माफी मांग लेते हैं तो यह उनका बड़प्पन ही कहा जायेगा।

पिता दक्षप्रजापति की बात सुनकर क्यों खफा हो गयीं थीं सती जी ?

परम मंगलमय भगवत स्वरूप श्रीमदभागवत पुराणन्तर्गत चतुर्थ स्कन्ध में प्रवेश करें। इसमें मरीचि आदि नव प्रजापतियों की उत्पत्ति, दक्ष का यज्ञ विध्वन्स, ध्रुवचरित्र एवं पृथु चरित्र की कथाएँ मिलती हैं।

मनोस्तु शतरूपायां तिस्त्र : कन्याश्च जज्ञिरे।
आकूतिः प्रसूतिरिति देवहूतिः इति विश्रुतः॥

स्वायम्भुव मनु की तीन बेटियाँ आकूति, प्रसूति, देवहूति और दो बेटे प्रियव्रत और उत्तानपद हुए। देवहूति का विवाह कर्दम मुनि के साथ हुआ। हम सुन चुके हैं। आकूति का विवाह रुचि प्रजापति के साथ हुआ और तीसरी कन्या प्रसूति का विवाह ब्रह्मा जी के पुत्र दक्ष प्रजापति से हुआ। दक्ष प्रजापति और उनकी पत्नी प्रसूति से साठ कन्याएँ उत्पन्न हुईं। उनमें सती का विवाह महादेव जी से हुआ।

विदुर जी ने मैत्रेय जी से पूछ लिया- प्रभों ! ससुर और दामाद में इतना विद्वेष क्यों हो गया? जिसके कारण सती ने अपने प्राण दे दिए। मैत्रेय जी कहते हैं- एक दिन बड़े-बड़े ऋषि मुनि ब्रह्मा जी की सभा में बैठे थे। उसी समय दक्ष प्रजापति भी वहाँ पधारे। सूर्य के समान उनके तेज से प्रभावित होकर सभी देवता और ऋषि मुनि खड़े हो गए और अभिवादन करने लगे, किन्तु महादेव जी आँख बंद किए किसी के ध्यान में मग्न थे। उन्होने अपने ससुर दक्ष का आदर नहीं किया। दक्ष ने अपना अपमान समझकर महादेव को बहुत बुरा-भला कहा और भरी सभा में सबके सामने शिवजी को शाप दे दिया। आज से किसी भी यज्ञ में महादेव का हिस्सा न लगाया जाए। शिवजी चुपचाप बैठे रहे कोई प्रतिक्रिया नहीं की। सभा समाप्त हुई। सभी अपने-अपने स्थान को प्रस्थान किए। दक्ष प्रजापति ने अपने घर पहुँचकर विचार किया कि मैंने ही शाप दिया है, इसलिए मैं ही यज्ञ का आरंभ करूँ जिससे महादेव को चिढ़ हो। ऐसा विचार कर दक्ष ने यज्ञ की तैयारी शुरू कर दी और सभी देवताओं को निमंत्रण (नेवता) भेज दिया। मैत्रेय जी कहते हैं- विदुर ! सभी देवता, दैत्य, ऋषि, मुनि, यक्ष, गंधर्व और किन्नर अपनी-अपनी पत्नियों के साथ अच्छे-अच्छे गहने और आभूषणों में सज-धज कर विमानो में सवार होकर गाते बजाते यज्ञोत्सव में जा रहे हैं। जब सती ने यह गाने-बजाने का कोलाहल सुना तो अपने पतिदेव महादेव से कहा-

श्लोक–

प्रजापतेस्ते श्वशुरस्य सांप्रतम, निर्यापितो यज्ञ महोत्सवः किल ।
वयं च तत्राभिसराम वां ते, यद्यर्थितामी विबुधा व्रजन्ति हि ॥
तस्मिन् भगिन्यो मम भर्तृभिः स्वकै :
ध्रुवं गमिष्यन्ति सुहृदद्दक्षवः।
अहं च तस्मिन् भवताभिकामये
सहोपनीतं परिवर्हमर्हितुम्.।।

हे प्रभो! मेरे पिता के यज्ञोत्सव में देवता, दैत्य, ऋषि, मुनि, यक्ष, गंधर्व और किन्नर अपनी-अपनी पत्नियों के संग जा रहे हैं। मेरी अन्य बहनें भी अपने-अपने पति के साथ वहाँ अवश्य जाएँगी। बहुत दिनों से मेरा मन भी अपने माता-पिता और बहनों से मिलने के लिए उत्सुक है। शायद काम-काज की भीड़ में पिताजी भूल गए होंगे, और हमें नहीं बुलाया।

अनाहूताप्याभियन्ति सौह्रिदम, भर्तुः गुरोर्देह कृतश्च केतनम

लेकिन पति, गुरु, मित्र और अपने माता पिता के यहाँ बिना बुलाए भी जा सकते हैं। गोस्वामी जी भी लिखते हैं---

जदपि मित्र प्रभु पितु गुरु गेहा, जाइय बिनु बोलेहुं न संदेहा।

अतः आपको यह मेरी इच्छा अवश्य पूरी करनी चाहिए। भोलेनाथ ने कहा- सुंदरी ! ऐसा तब करना चाहिए जब वह व्यक्ति विद्या, धन और बल के घमंड में चूर न हो। ये तीनों जब किसी सत्पुरुष के जीवन में आते हैं तो ये सद्गुण बन जाते हैं और नीच व्यक्ति के जीवन में आते हैं तो दुर्गुण बन जाते हैं।

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषाम पर पीडनाय
खलस्य साधोः विपरीतमेतत दानाय भोगाय च रक्षणाय ॥

हे देवी ! तुम्हारे पिता की बुद्धि दोषयुक्त हो गई है। उनका अभिमान बढ़ गया है, विवेक शक्ति नष्ट हो गई है। तुम्हारे पिता हमसे शत्रुता का भाव रखते हैं। यदि बिना बुलाए हम वहाँ जाएँ और वे अपना मुँह फेर लें या कोई दुर्वचन कह दें तो अच्छा नहीं होगा। क्योंकि तीर और तलवार के घाव मरहम पट्टी करने से भर जाते हैं पर जिह्वा का घाव कलेजे में घर कर जाता है। लाख दवा करो अच्छा नहीं होता। इसलिए तुम्हारे पिता के यज्ञ में मैं नहीं जाऊंगा।

तथारिभि : न व्यथते शिली मुखै : शेते२र्दितांगो हृदयेन दूयता
स्वानां यथा वक्रधियां दुरुक्तिभि; दिवानिशं तप्यति मर्मताडितः
यदि व्रजिष्यस्यतिहायमद् वचो भद्रंभवत्या न ततो भविष्यति
संभावितस्य स्वजनात पराभवो यदा स सद्यो मरणाय कल्पते।।

यदि तुम मेरी बात न मानकर वहाँ जाओगी तो तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा। क्योंकि जब कोई प्रतिष्ठित व्यक्ति अपने ही आत्मीय जनों के द्वारा अपमानित होता है तब वह तत्काल मृत्यु का कारण बन जाता है। मैत्रेय जी कहते हैं- विदुर जी! मना करने पर भी सती नहीं मानी और अपने पिता के यज्ञोत्सव में चल दीं। देखिए पूरी दुनिया को समझाना आसान है लेकिन अपनी पत्नी को समझाना बड़ा कठिन है, जब शिव सती को नहीं समझा सके तो इस कलियुग में हम जीव अपनी पत्नी को क्या समझा सकते हैं?

भारत की दिव्य विभूति और महान संत गुरु नानक देव जी

महान सिख संत व गुरु नानक देव जी का जन्म १४६९ ई में रावी नदी के किनारे स्थित राय भोई की तलवंडी में हुआ था जो ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है और भारत विभाजन में पाकिस्तान के भाग में चला गया। इनके पिता मेहता कालू गांव के पटवारी थे और माता का नाम तृप्ता देवी था। उनकी एक बहन भी थी जिसका नाम नानकी था। बचपन से ही नानक में प्रखर बुद्धि के लक्षण और सासांरिक चीजों के प्रति उदासीनता दिखाई देती थी। पढ़ाई- लिखाई में इनका मन कभी नहीं लगा। सात वर्ष की आयु में गांव के स्कूल में जब अध्यापक पंडित गोपालदास ने पाठ का आरंभ अक्षरमाला से किया लेकिन अध्यापक उस समय दंग रह गये जब नानक ने हर एक अक्षर का अर्थ लिख दिया। गुरु नानक के द्वारा दिया गया यह पहला दैविक संदेश था।

कुछ समय बाद बालक नानक ने विद्यालय जाना ही छोड़ दिया। अध्यापक स्वयं उनको घर छोड़ने आये। बालक नानक के साथ कई चमत्कारिक घटनाएं घटित होने लगीं जिससे गांव के लोग इन्हें दिव्य शक्ति मानने लगे। बचपन से ही इनके प्रति श्रद्धा रखने वाले लोगों में उनकी बहन नानकी गांव के शासक प्रमुख थे। कहा जाता है कि गुरु नानक का विवाह १४ से १८ वर्ष के बीच गुरदासपुर जिले के बटाला के निवासी भाई मिला की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ। उनकी पत्नी ने दो पुत्रों को जन्म दिय। लेकिन गुरु पारिवारिक मामलों में पड़ने वाले व्यक्ति नहीं थे। उनके पिता को भी जल्द ही समझ में आ गया कि विवाह के बाद भी गुरु अपने आध्यात्मिक लक्ष्य से पथभ्रष्ट नहीं हुए थे। वे शीघ्र ही अपने परिवार का भार अपने श्वसुर पर छोड़कर अपने चार शिष्यों मरदाना, लहना, नाला और रामदास को लेकर यात्रा के लिए निकल पड़े।

गुरुनानक देव ने संसार के दुखों को घृणा, झूठ और छल-कपट से परे होकर देखा। इसलिए वे इस धरती पर मानवता के नवीनीकरण के लिए निकल पड़े। वे सच्चाई की मशाल लिए, अलौकिक स्नेह, मानवता की शांति और प्रसन्नता के लिए चल पड़े। वे उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम चारों तरफ गये और हिंदू, मुसलमान, बौद्धों, जैनियों, सूफियों, रोगियों और सिद्धों के विभिन्न केंद्रों का भ्रमण किया। उन्होंने अपने मुसलमान सहयोगी मदार्ना जो कि एक भाई था के साथ पैदल यात्रा की। उनकी यात्राओं को पंजाबी में उदासियां कहा जाता है। इन यात्राओं में आठ वर्ष बिताने के बाद घर वापस लौटे।

गुरुनानक एक प्रकार से सर्वेश्वर वादी थे। रूढ़ियों और कुप्रथा के तीखे व प्रबल विरोधी थे। उनके दर्शन में वैराग्य के साथ-साथ तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक स्थितियों पर भी विचार दिए गए हैं। संत साहित्य में नानक ने नारी को उच्च स्थान दिया है। इनके उपदेश का सार यही होता था कि ईश्वर एक है। हिंदू, मुसलमान दोनों पर ही इनके उपदेशों का प्रभाव पड़ता था। कुछ लोगों ने ईर्ष्या वश उनकी शिकायत तत्कालीन शासक इब्राहीम लोदी से कर दी जिसके कारण कई दिनों तक कैद में भी रहे। कुछ समय बाद जब पानीपत की लड़ाई में इब्राहीम लोदी बाबर के साथ लड़ाई में पराजित हुआ तब कहीं जाकर गुरुनानक कैद से मुक्त हो पाये। जीवन के अंतिम दिनों में गुरु नानक देव की ख्याति बढ़ती चली गयी तथा विचारों में भी परिवर्तन हुआ। उन्होनें करतारपुर नामक एक नगर को बसाया था।

अपने दैवीय वचनों से उन्होंने उपदेश दिया कि केवल अद्वितीय परमात्मा की ही पूजा होनी चाहिये। कोई भी धर्म जो अपने मूल्यों की रक्षा नहीं करता वह अपने निम्न स्तर के विकास को दशार्ता है और आने वाले समय में अपना अस्तित्व खो देता है। उनके संदेश का मुख्य तत्व इस प्रकार था- ईश्वर एक है, ईश्वर ही प्रेम है, वह मंदिर में है, मस्जिद में है और चारदीवारी के बाहर भी वह विद्यमान है। ईश्वर की दृष्टि में सारे मनुष्य समान हैं। वे सब एक ही प्रकार जन्म लेते हैं और एक ही प्रकार अंत काल को भी प्राप्त होते हैं। ईश्वर भक्ति प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। जिसमें जाति- पंथ, रंगभेद की कोई भावना नहीं है। ४०वें वर्ष में ही उन्हें सतगुरु के रूप में मान्यता मिल गयी। उनके अनुयायी सिख कहलाये।

उनके उपदेशों के संकलन को जपुजी साहिब कहा जाता है। प्रसिद्ध गुरू ग्रंथ साहिब में भी उनके उपदेश संदेश हैं। सभी सिख उन्हें पूज्य मानते हैं और भक्ति भाव से उनकी पूजा करते हैं। कवि ननिहाल सिंह ने लिखा है कि, वे पवित्रता की मूर्ति थे उन्होंने पवित्रता की शिक्षा दी। वे प्रेम की मूर्ति थे उन्होंने प्रेम की शिक्षा दी। वे नम्रता की मूर्ति थे, नम्रता की शिक्षा दी। वे शांति और न्याय के दूत थे । समानता और शुद्धता के अवतार थे। प्रेम और भक्ति का उन्होंने उपदेश दिया। गुरु नानक जी ने संदेश दिया कि वही सर्वश्रेष्ठ ईश्वर सब का परमेश्वर है।

विभीषण ने किस तरह रावण के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूँका था?

श्रीविभीषण जी द्वारा, रावण को समझाने के समस्त प्रयास विफल साबित हुए। रावण ने यह भी न देखा, कि विभीषण तो उसका अपना सगा है। अगर उसे अपने भाई से कुछ आपत्ति भी है, तो उसे बैठ कर सुलझाने का प्रयास भी किया जा सकता है। लेकिन रावण को सहेजने की कला तो आती ही कहाँ है। उसे तो बिखेरने की कला में ही महारत है। इसी स्थान पर अगर श्रीराम जी होते, तो क्या वे अपने भाई के साथ ऐसा व्यवहार करते? श्रीराम जी अपने भाई भरत जी के साथ, कैसा दिव्य आचरण व लीला करते हैं, यह तो संसार का निम्न से निम्न व्यक्ति भी जानता है। कारण कि, कहाँ तो श्रीराम जी हैं, जो अपने भाई को चरण पादुका के रूप में, अयोध्या के राज सिंहासन का उपहार देते हैं। और कहाँ मूर्ख रावण है, जो अपने भाई को चरण से मारने का पाप करता है।

श्रीविभीषण जी ने रावण को समझाने का, जब बार-बार निष्फल प्रयास करके देख लिया, तो अंततः उन्होंने वह कठिन निर्णय ले ही लिया, जिससे वे निरंतर टलते आ रहे थे। जी हाँ! उन्होंने लंका नगरी के समस्त पद् व वैभवशाली वर्तमान को त्यागने का निर्णय ले लिया। और उन्होंने आकाश मार्ग से जाते हुए बोले-

रामु सत्यसंकल्प प्रभु सभा कालबस तोरि।
मैं रघुबीर सरन अब जाउँ देहु जनि खोरि।।

श्रीविभीषण जी अभी तक रावण के समक्ष श्रीराम की केवल महिमा ही गा रहे थे। और साथ में रावण को बड़े सधे व मर्यादित से शब्दों में समझा रहे थे। किसी भी कटु शब्दों के प्रयोग से बचने का संभवतः प्रयास कर रहे थे। लेकिन अब उन्होंने खुले शब्दों में कहा, कि हे रावण ध्यान से सुनो! श्रीराम जी सत्य संकल्प एवं सर्वसमर्थ प्रभु हैं। बात यहाँ तक भी सीमित नहीं है। क्योंकि वे तो जो हैं, वो हैं ही। लेकिन साथ में तुम्हारी संपूर्ण सभा काल के वशीभूत हैं। अतः मैं अब श्रीराम जी की शरण जाता हूँ, इसका मुझे दोष मत देना।

श्रीविभीषण जी का ऐसे कठोर शब्दों का चयन करके, रावण को संबोधित करना, निःसंदेह एक क्रांति का बिगुल था। जो कि रावण को अवश्य सुनना चाहिए था। लेकिन रावण तो फिर रावण था। उसे श्रवण करने की तो आदत ही नहीं थी। क्योंकि सत्य से तो उसने कभी भी वास्ता नहीं रखा था। लेकिन उसने रत्ती भर भी यह अनुमान नहीं लगाया, कि जिस विभीषण ने मेरे समक्ष कभी एक शब्द तक नहीं बोला, वह आज आसमाँ में गरज कर मुझे धमकी देकर गया है। उसमें आखिर ऐसा बल व तेज, कब और कैसे प्रवेश कर गया। रावण तनिक-सा तो सोच ही सकता था, कि उस वनवासी राम में आखिर ऐसी क्या करामात है, कि वह सागर के उस पार पर बैठ कर भी, कैसे मेरे भाई को अपने वश में कर सकता है। सागर के उस पार बैठ कर, अगर वह यहाँ शासन कर सकता है, तो सोचो जब वह मेरी लंका नगरी के भीतर तक आन पहुँचा, तो उसकी पहुँच फिर कहाँ-कहाँ होगी। लेकिन हमने पहले भी कहा न, कि रावण की सोच सकारात्मक भला कैसे सोच सकती थी। उसने श्रीराम जी के संबंध में, जब नकारात्मक ही सोचना है, तो उसका भला फिर कैसे हो सकता था? उसे इस बात का अनुमान रत्ती भर नहीं है, कि वह श्रीविभीषण जी को लात मारकर लंका से निकालने पर कितने घाटे का सौदा कर रहा है। उसे लग रहा है, कि मैंने अपने भाई को, अपनी लंका से निकाल दिया है, तो वह दर-दर की ठोकरें खायेगा। दाने-दाने को मोहताज होगा। लेकिन उसे क्या पता था, कि श्रीविभीषण जी तो रत्न हैं। ऐसे मोतियों को निकाल कर फेंका नहीं जाता, अपितु प्रेम व सम्मान से सहेज कर रखा जाता है।

श्रीविभीषण जी ने भी फिर कौन-सा पर्दा रखा। उन्होंने भी खुले आसमाँ में जाकर घोषणा की, कि हे रावण! तुम भी किसी भ्रम में मत रह जाना, कि तुमने काल को वश में कर रखा है, तो तुम अमर हो। वास्तव में तुम्हारी संपूर्ण सभा, जो तुम्हें आठों पहर भ्रमित करके रखती है। उस सभा की प्रत्येक इकाई काल के वश में है। ठीक है, अगर तुम्हें यूँ ही काल के वश में रहने की हठ है, तो तुम रहो। लेनिक हमें ऐसी हठ की न ही तो इच्छा है, और न ही हमें ऐसा कोई शौक पालना है। क्योंकि हमें काल के जबड़े में नहीं, अपितु महाकाल के सान्निध्य में रहने की धुन व संकल्प है-

अस कहि चला बिभीषनु जबहीं।
आयू हीन भए सब तबहीं।।
साधु अवग्या तुरत भवानी।
कर कल्यान अखिल कै हानि।।

एक दूसरे से मिलने के लिए क्यों बहुत आतुर थे हनुमानजी और विभीषण ?

श्रीराम जी को आश्चर्य तो होना ही था। भला लंका नगरी में ऐसे मंदिर की तो उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी, कि जहाँ मदिरा की नदियां बहती हों, वहाँ अचानक से गंगा जी का प्रवाह बहता दिखाई दे रहा था। ऐसे मतिभ्रम करने वाले कार्य, भला लंका नगरी में नहीं होंगे, तो भला और कहाँ होंगे। श्रीहनुमान जी सोचने लगे, कि अवश्य ही रावण ने मुझे फँसाने के लिए यह प्रपँच रचा है। लेकिन फिर श्रीहनुमान जी सोचने लगे, कि अगर यह स्थान माया द्वारा रचित व प्रेरित होता, तो निश्चित ही मुझे श्रीराम जी की कृपा से ऐसी नकारात्मक तरंगों का पूवार्भास अवश्य हो जाता। लेकिन ऐसी कोई अनुभूति तो मुझे हुई ही नहीं। उल्टे मेरा हृदय तो हर्ष से अभिभूत महसूस कर रहा है। रोम-रोम में एक अद्भुत उत्साह-सा उमड़ता प्रतीत हो रहा है। मानों लाखों की पराई भीड़ में कोई अपना मिल गया है। यूँ लग रहा है, कि यही तो वह भाई है, जो अपने श्रीराम रूपी पिता से, मेरी ही भाँति बिछुड़ा हुआ है। चिर काल के पश्चात ही सही, लेकिन जैसे मुझे श्रीराम जी ने अपनाने की कृपा कर दी है, ठीक वैसे ही लगता है, कि इस महल में बसने वाले सज्जन का भी वह शुभ आ पहुँचा है, जब श्रीराम जी इन्हें भी अपनी पावन गोद प्रदान करेंगे। लंका जैसी कीचड़ में ऐसा साधु का होना, वैसे तो असंभव-सा था। लेकिन श्रीहनुमान जी ने सोचा कि कीचड़ में अगर कमल का सुंदर पुष्प खिल सकता है, तो लंका नगरी में भला साधु का निवास क्यों नहीं हो सकता-

लंका निसिचर निकर निवासा।
इहाँ कहाँ सज्जन कर बास-ा।।
मन महुँ तरक करैं कपि लागा।
तेहीं समय बिभीषनु जागा।।

श्रीहनुमान जी के अंतःकरण में ऐसा चिंतन चल ही रहा था, कि उसी समय विभीषण जी जाग गए। पहला पहर है, राक्षसी प्रभाव समाप्त होने को है, श्रीहनुमान जी हरि मंदिर के बाहर खड़े हैं। ऐसे समीकरण जहाँ हों, भला वहाँ भी कोई सोया रह सकता है? मानो विभीषण जी के साथ भी ऐसा ही हुआ, वे जाग गए। और जागते ही जिन शब्दों का उच्चारण करते हैं, वे थे राम-राम। जैसे ही विभीषण जी ने राम-राम उच्चारण किया, तो श्रीहनुमान जी के हृदय में अतिअंत हर्ष उठा, कि अब तो शत-प्रतिशत निश्चित हो गया, कि यहाँ किसी सज्जन साधु का ही निवास है। क्योंकि उस उच्चारण में माया का प्रभाव भी नहीं था। वैसे भी कोई माया का वेश ओढ़कर, अगर राम-राम जैसा पावन शब्द बोले भी, तो इतना बोलने से माया का प्रभाव तो वैसे भी नहीं पड़ता। सबसे बड़ी बात, कि श्रीहनुमान जी जैसा बैरागी साधु का मन, अगर किसी की तरफ आकर्षित हुआ है, तो समझो कि वह कोई श्रीराम जी का ही सेवक है। ऐसा प्रभु का प्रेमी लंका नगरी में भी मिल जायेगा, इसकी तो श्रीहनुमान जी को स्वप्न में भी ज्ञान नहीं था। और यहाँ अचानक ही किसी प्रेमी का मिल जाना, मानो श्रीहनुमान जी के हाथ कोई खजाना ही लग गया हो। श्रीहनुमान जी इसलिए प्रसन्न नहीं थे, कि श्रीविभीषण जी उन्हें कोई बाहरी लाभ देंगे। अपितु वे इसलिए प्रसन्न थे, क्योंकि प्रभु भक्त के साथ जब कोई अन्य प्रभु का प्रेमी मिलता है, तो उनके मध्य प्रभु की ऐसी मीठी वार्ता होती है, कि गुड़ चाश्नी की मिठास भी उसके आगल फीकी प्रतीत होती है। श्रीहनुमान जी जैसे परम भक्त तो ऐसे मौके प्रत्येक क्षण ढूँढ़ते ही रहते हैं, कि जिस पल उन्हें प्रभु की कथा सुनाने वाला कोई प्रेमी मिल जाए तो फिर उसकी खुशी का कहना ही क्या? कबीर साहिब ने भी इसी निमित लिखा है-

प्रेमी ढूँढ़त मैं फिरां, प्रेमी न मिलआ कोए।
प्रेमी से प्रेमी मिले, गुरु भक्ति दृढ़ होए।।

संसार में तो आपने देखा होगा, कि सांसारिक व्यक्ति जब किसी दूसरे सांसारिक व्यक्ति से मिलता है, तो केवल संसार के रिश्ते, धन-वैभव व मान अपमान की ही चर्चा करता है। वहाँ कोई प्रभु की महिमा नहीं होती। जिसका परिणाम यह होता है, कि माया में धँसा व्यक्ति, माया में और गहरा धँसता जाता है। उसके पतन की संभावनाएँ और परिपक्व हो जाती हैं। वहीं अगर वहाँ कोई प्रभु के प्रेमी मिलते हैं, तो वे आपस में माया की नहीं, अपितु मायापति की चर्चा करते हैं। जिससे जीव के बँधन बँधते नहीं, अपितु कटते हैं। दुर्भाग्य है कि जीव जीवन पर्यन्त वही कर्म करता है, जिससे उसके बँधन कटते नहीं, अपितु और ठोस व गहरे होते जाते हैं। ऐसे माया से सने मोही जीवों को अगर कोई प्रभु चर्चा सुनाने वाला मिल भी जाए, तो उन्हें वह चर्चा में रस थोड़ी न आता है। अपितु वे प्रभु के गान से प्रसन्न होने की बजाए, चिढ़ने लगते हैं। उनकी स्थिति ऐसे व्यक्ति की भाँति हो जाती है, जिसे बड़ा भारी ज्वर हो, और उसके समक्ष छप्पन प्रकार के व्यंजन रखकर कहा जाए, कि कृप्या आप इन व्यंजनों को ग्रहण करें। आप ही बताइये, ऐसे भारी ज्वर में क्या किसी को स्वादिष्ट से भी स्वादिष्ट भोजन में रस आता है क्या? नहीं न? बस ठीक इसी प्रकार प्रभु से विमुख को भी प्रभु के रसगान में अपने पिछले पापों के प्रभाव से रस नहीं आता। महापुरुषों ने कहा भी है-

तुलसी पिछले पाप से हरि चर्चा न सुहाए।
जैसे ज्वर के ताप से भूख विदा हो जाए।।

कमाऊ औरतों के सिकुड़ते आंकड़े

खरी खरी

■ मनीषा

इंडिया लेबर फोर्स पार्टीपेशन रेट (दिस 2021 में) कुल 41.6% रही। इसके अनुसार, 2004-05 में 42.7% औरतें कमाऊ थीं, जबकि 2021 में यह आंकड़ा गिर कर 25.1% पर अटक गया। औरतों के कमाने का यह औसत बुरी तरह गिरता जा रहा है मगर इस पर किसी के माथे पर शिकन नहीं है। यह विचारणीय स्थिति है। औरतों का आर्थिक तौर पर आश्रित होना, उनके दासत्व को बढ़ाता है। उन पर घरेलू व शारीरिक हिन्सा के मामले बढ़ते हैं। उन्हें मानसिक तौर पर सताया जाता है। यह सामाजिक, पारिवारिक व व्यक्तिगत तौर पर विपरीत प्रभाव डालने वाला साबित होता है। यह आंकड़ा किसी बड़े खतरे की घंटी हो सकती है, इस पर चेतने की जरूरत है। औरत का कमाऊ ना होना, परिवार ही नहीं समूची व्यवस्था पर असरकारक होता है। अवल तो अपने यहां रोजगार के साधन ही सीमित हैं। बेरोजगारों की संख्या में साल दर साल इजाफा होता जा रहा है। यह बेरोजगारी स्त्री की तकदीर मान ली जाती हैं। लड़कियों का उच्च शिक्षा प्राप्त करना समाज का हितकारी नहीं सावित हो रहा। दूसरे, काम के स्थान पर पुरुषों का दबदबा कायम है। मालिकान से लेकर प्रबंधन तक पर पुरुषों का कब्जा होता है। जिनके दिल-दिमाग में स्त्री को दोयम समझने और उसका तिरस्कार करने की आदतों में कोई तब्दीली नहीं रही है।

शहरी इलाकों में श्रम करके पुरुष तकरीबन 16 हजार रुपये कमाते हैं, जबकि औरतों को केवल साढे छह हजार रुपये मिलते हैं। एनजीओ आक्सफेम इंडिया की यह रिपोर्ट सरकारी डाटा, रोजगार व मजदूरों के आधार पर बनी है। ये आंकड़े यूनियन मिनिस्टरी ऑफ स्टेटिक्स एंड प्रोग्राम इम्पलीमेंटेशन के डाटा पर आधारित है। यह भी याद रखना जरूरी है कि जब स्त्री काम के नाम पर देहरी लांघती है तो पुरुषों की गिद्ध दृष्टि से बचना भी उसके लिए चुनौती होती है। उसे घर से लेकर, काम वाली जगह और काम को लेकर चौतरफा जंग लड़नी पड़ती है। परिवहन उसके लिए किसी संकट की तरह साबित होता है। उस पर बच्चों के पालन, उनके सुरक्षित रहने के सवाल कभी हल नहीं होते। स्त्री पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ कभी कम होता।

बताते हैं कि अपने देश में आज भी लिंग, धर्म, जाति के आधार पर भेदभाव हो रहा है। ऑक्सफेम डिस्क्रिमिनेशन रिपोर्ट 2022 की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हैं। लैंगिक विभेद के चलते, ग्रामीण इलाकों में रोजगार असामानता 100% है, जबकि शहरी में 98%। रिपार्ट में कहा गया है कि समान शिक्षा व अनुभव के बाद भी औरतों से 2.5 गुना ज्यादा कमाते हैं पुरुष। दोनों के वेतन में 93% का अंतर पाया गया। गांव में दिहाड़ी मजदूर मजदूरिनों की तुलना में तीन हजार रुपये अधिक कमाते हैं। इसका कारण सिर्फ लैंकिग भेदभाव है। हैरत होनी चाहिए कि मासिक वेतन पाने वाली औरतों की कमाई का 66% लैंगिक भेदभाव है। इस पर अव्वल तो अपने यहां कोई बात नहीं होती। समृद्ध व खुले समाजों में वेतन की बराबरी को लेकर औरतें लगातार आक्रोशित रहती हैं। समय-समय पर वे आंदोलन भी करती रहती हैं। हालांकि ये दो अलग चीजें हैं। स्त्री का कमाऊ ना होना और उसे समान पारिश्रमिक ना मिलना। औरतें काम नहीं कर रहीं की बजाए अपने यहां औरतों को काम के मौके नहीं दिये जा रहे। उन्हें नौकरी के प्रति जानबूझकर हतोत्साहित किया जाता है। साथ ही बार-बार, लगातार बताया जाता है कि नौकरी उनके लिए असुविधाजनक हो सकती है। स्त्री को जितनी प्रताड़ना घर के भीतर मिलती है, लगभग उतनी ही बाहर भी है। मगर इस सबके पीछे, है तो पुरुष ही। पुरुषों की खांटी मानसिकता। जो तनिक बदलने को राजी नहीं।

श्रमिकों की कुल संख्या में औरतें बहुत कम है। 2016-17 में करीबन 15% औरतें कमाऊ थीं या नौकरी के तलाश में थी। यह 2021-22 में गिर कर 9.2% पर अटक गया

मगर यह लैंगिक भेदभाव घर के भीतर भी कम नहीं होता। परिवार के कमाऊ सदस्य उनकी उपेक्षा करते हैं। उन पर पैसों का लेकर कटाक्ष किये जाते हैं। यह भी कि उनके खर्चों पर मीन-मेख निकाली जाती है। उनके साथ गुलामों जैसा ही बर्ताव किया जाता है और जताया जाता कि वही नॉर्मल है। स्त्री पर दासता चारों तरफ से लादी जाती है। उसे मानसिक तौर पर गुलाम बनाये रखने वाले मर्दाना हथकंडे पीढियों से बताते रहें हैं कि स्त्री को पुरुषों के अनुरूप ही पेश आना है। वह घर के भीतर हो या दफ्तरी काम में।

श्रमिकों की कुल संख्या में औरतें बहुत कम हैं। 2016-17 में करीबन 15% औरतें कमाऊ थीं या नौकरी के तलाश में थी। यह 2021-22 में गिर कर 9.2% पर अटक गया। अपने यहां खेतिहर मजदूरिनों की संख्या काफी ज्यादा है। उनका काम विशिष्ठ भी होता है। मगर उन्हें उचित दाम नहीं दिये जाते। उनके कड़े परिश्रम का कोई मोल नहीं है। धान की रोपाई से लेकर, सब्जियां तोड़ने, चाय चुनने जैसे बारीक कामों में मजदूरिनों को महारथ होती है। हथकरघा, सिलाई, कढाई जैसे बारीक कामों में भी स्त्री खपी रहती है। मगर हर जगह उसे कम से कम पारिश्रमिक थमाया जाता है। उनके साथ ज्यादती होती है और उन्हें अपने औरत होने के ताने भी सुनने पड़ते हैं। औरतें कमाती नहीं हैं तो परिवार के खर्चों में खुद-ब-खुद कटौती होती चली जाती हैं। बच्चों की पढाई और उनके पोषण में रुकावट आती है। दंपति मिल-जुल कर कमाते हैं तो स्त्री के स्वाभिमान को चोट लगने की गुंजाइश कम हो जाती है। कुटुंब में आर्थिक सहयोग ना करने वाली औरतों का कांफीडेंस डांवाडोल नजर आता है। इसके उलट कमाऊ औरतें अपनी मर्जी से रहन-सहन। औरतों के लिए काम करना आज भी दूभर है। उनकी कमाई में परिवार भर को रुचि तो है मगर समाज का ताना-बाना स्त्री को कमाई की सहूलियत नहीं देता। गांवों से लेकर पिछड़े इलाकों तक में अब मैंने गौर किया है कि छोटी-छोटी दुकानों, ठेलियों, खोपचों में लड़कियां/ औरतें बैठी खूब नजर आती हैं। वे पिता/ पति का सहयोग कर रही होती हैं। जब वे माल लेने या बड़े बाजार जाते हैं तो दुकान पर ताला लटकाने की बजाए, औरतों के भरोसे गल्ला छोड़ने में उन्हें संकोच नहीं होता। मगर ये इन औरतों का बेगार होता है। क्योंकि इनके इस सहयोग का कोई पारिश्रमिक नहीं चुकाया जाता। ये सिर्फ कमाऊ पति/ पिता की मुफ्त की मदद में जुड़ जाता है। मसलन छोटे दूकानदारों की बीवियां रॉ-मैटीरियल तैयार करने में, रेड़ी लगाने में, थोक बाजार से माल लाने-ले जाने में भरपूर सहयोग करती हैं। मगर उन्हें श्रमिक भी नहीं माना जाता। स्त्री पर परिवार की जिम्मेदारी कम नहीं है। बच्चों को संभालना, उनके खाने-पीने की व्यवस्था, सब स्त्री के ही जिम्मे आती है। उस पर वह जो घर के काम करती है, उन्हें किसी श्रम में नहीं गिना जाता। घरेलू कामों के लिए औरतों को विशेष जिम्मेदार माना जाता है। ये श्रमहीन कार्य वे ता-उम्र मुफ्त ही निपटाती रह जाती हैं, बिना किसी ना-नुकर के। ■

ऑयली स्किन के लिए फेशियल क्लींजर

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

स्किन की केयर के लिए स्किन टाइप का पता होना जरूरी है, ताकि अपनी स्किन की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार प्रोडेक्ट चुन सकें। ऑयली स्किन में, ऑयल पैदा करने वाली ग्रंथियां अधिक एक्टिव होती है। स्किन पर ऑयल आने से रोमछिद्र बड़े व मोटे हो जाते हैं। जिससे छिद्र लोच खो देते हैं और खुले रहते हैं। ऑयली स्किन की बनावट खुरदरी होती है। ऑयली स्किन बहुत साफ नहीं होती है। उसके रोमछिद्र ज्यादा खुलते हैं, ब्लैकहेड्स, धब्बे, फुंसियां और मुंहासे अधिक होते हैं।

ऑयली स्किन को अधिक सफाई की जरूरत होती है। खासकर जब धूप, गंदगी व प्रदूषण में अधिक निकलते हैं। ऑयल को स्किन से हटाना जरूरी होता है और छिद्रों से ऑयल को निकालना होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि चेहरे को दिन में कई बार साबुन और पानी से धोएं। दरअसल, बहुत अधिक साबुन और पानी से धोने से स्किन का सामान्य एसिड-क्षारीय संतुलन बिगड़ जाता है और पिंपल्स और मुंहासे जैसी समस्याएं हो जाती हैं।

स्किन के अनुसार ही क्लीजर का इस्तेमाल करें। क्लीजिंग लोशन या फेस वॉश का इस्तेमाल करें। ऑयली स्किन की समस्याओं जैसे धब्बे, ब्लैकहेड्स, पिंपल्स और मुंहासों के लिए औषधीय साबुन या क्लीजर का इस्तेमाल करें, जो सामान्य संतुलन को बिगाड़े बिना अशुद्धियों को दूर करता है। कसैला लोशन ऑयली स्किन के लिए बेहतर होता है क्योंकि यह ऑयल को दूर करता है। चेहरा धोने के बाद इसे एस्ट्रिंजेंट लोशन से पोंछ लें। ऑयली स्किन के लिए खीरे के रस में गुलाब जल को बराबर मात्रा में मिलाकर स्किन को टोन करें। इससे स्किल के ऑयल को कम किया जा सकता है।

स्क्रब के इस्तेमाल से रोमछिद्रों को गहराई से साफ करने में मदद मिलती है। स्क्रब को स्किन पर धीरे-धीरे मलें और पानी से धो लें। स्क्रब डेड सेल्स को हटाता है, छिद्रों को खोलता है और ऑयल साफ करता है। चावल के पाउडर में गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर स्क्रब की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे गोलाकार गति से धीरे से रगड़ें और पानी से धो लें। यह न केवल ब्लैकहेड्स को रोकने में मदद करता है, बल्कि छिद्रों को धीरे-धीरे बंद करने में भी मदद करता है। पिंपल्स और मुंहासे होने पर स्क्रब का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

ऑयली स्किन के लिए नेचुरल सामग्रियों का इस्तेमाल आजमा सकते हैं-

एक चम्मच खीरे के रस में आधा चम्मच नींबू का रस और गुलाब जल मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट बाद नम रूई से पोंछ लें। फिर ढेर सारे सादे पानी से धो लें। यह सामान्य से लेकर ऑयली स्किन पर सूट करता है और इसका इस्तेमाल मुंहासे होने पर भी किया जा सकता है।

अंडे की सफेदी भी अच्छा क्लीजर है। ऑयली स्किन के लिए अंडे के सफेद भाग को नींबू के रस में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे धो लें।

पपीता बेहतरीन क्लीजर है। पके पपीते के गूदे को स्किन पर लगाकर आधे घंटे के बाद धो लें। यह डेड सेल्स को मुलायम करता है और उन्हें हटाने में मदद करता है।

आलू के रस का भी स्किन पर क्लीजर का काम करता है। ऑयली स्किन के लिए आलू के रस में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें। चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। यह दाग-धब्बों को कम करता है और स्किन को साफ करता है। ■

हमारी ये खूबसूरत दुनिया

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

पिछले साल इन दिनों स्विट्जरलैंड में थी। चारों तरफ बर्फ से लदे पहाड़ ही पहाड़ थे। समय-समय पर बर्फ पड़ती थी, तो लम्बे-चौड़े मैदान और खेत बर्फ के समुद्र से लगते। ऐसे में बाहर निकल कर दूर तक घूमने का अलग ही आनंद था। एक सवेर जब सूरज निकला था, और लग रहा था कि ठंड से कुछ राहत मिलेगी, हम लोग घूमते हुए पास के जंगल में चले गए थे। रास्ते से गुजरते हुए कई कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनाई दी। यहां लोगों को विशालकाय कुत्ते पालने का बहुत शौक है। किसी-किसी घर में तो सात-आठ कुत्ते तक दिखाई देते हैं। खैर आगे बढ़े और जंगल में लगी बैंच पर जा बैठे। कहीं दूर कोई गाय भी रंभाई। अभी सोच ही रहे थे कि गाय की आवाज कहां से आई क्योंकि यहां अपने देश की तरह गाय सड़कों पर नहीं दिखती हैं तभी ऊंचे पेड़ों पर कौवों की कांव-कांव सुनाई दी। वे एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर जा रहे थे और जोरों की आवाज निकाल रहे थे। एकाएक खयाल आया कि भारत की गायों की तरह यहां भी गाय रंभाती है। कौए कांव-कांव करते हैं। कुत्ते भौंकते हैं। गिलहरियां वैसे ही उछल-कूद मचाती हैं। गौरैय्या भी जगह-जगह उड़ती और बतियाती दिखती हैं। यानी देश कोई भी हो, इनकी आवाजें, इनकी भाषा नहीं बदलती। इसीलिए अगर ये दिखाई न भी दें, तो भी समझ में आता है कि किसकी आवाज है। देशों की सीमाएं बदलने से इनकी आवाज, अभिव्यक्ति पर कोई असर नहीं पड़ता है। न ये अपनी भाषा, अपनी जमीन अपने जंगल के लिए एक-दूसरे से लड़ते हैं।

दूसरी तरफ हम मनुष्य हैं, जो अपने को इन पक्षियों जानवरों से श्रेष्ठ मानते हैं श्रेष्ठता का आलम ये हैं कि कभी हम भाषा के नाम पर लड़ते हैं, कभी धर्म के नाम पर, कभी प्रदेशों के नाम पर। यह कैसी महानता है कि जो हर बात पर हमें लड़ने के लिए उकसाती है। इन लड़ाइयों में खून-खराबे से भी परहेज नहीं किया जाता। और अपने देश में तो इस तरह की लड़ाइयां हद से ज्यादा दिखाई देती हैं। न केवल लड़ते हैं बल्कि जो नहीं लड़ना चाहते, उन्हें उनके तथाकथित स्वाभिमान और आत्मसम्मान का हवाला देकर लड़ने के लिए उकसाते हैं। ऐसे लोगों की बयानबाजी सुनकर लगता है कि इन्हें न कानून से डर लगता है, न किसी सरकार से, न ही अपने परिजनों से। जितनी ज्यादा अराजकता फैले, चाहे जितनी जानें जाएं, इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

जितनी जानें जाती हैं, इनके विचार के चेहरे चमकते हैं। जो ऐसी नफरत फैलाने वालों के लिए तरह-तरह की सफलता के दरवाजे खोलते हैं। यह बहुत दुखद भी है। प्रेम की भाषा इन दिनों पिछड़ेपन और डरपोक की भाषा मान ली जाती है। हालांकि अनेक बार यह देखने में आता है कि नफरत के व्यवसायी नफरत के ही शिकार बनते हैं। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। जिन पशु-पक्षियों को हम अपने से कम विवेकवान मानते हैं, चाहें तो उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। आखिर संसार में हर सीमा और दीवार, चाहे वह देश की हो, भाषा की हो, जाति, धर्म और लिंग की हो मनुष्यों ने ही बनाई है। निजी स्वार्थों से प्रेरित होकर, हम इन्हें तोड़ना और खत्म करना नहीं चाहते। लोकतंत्र का रात-दिन जाप करने वाले ऐसी सीमाओं, जाति, धर्म और लिंग की दीवारों का खूब फायदा उठाते हैं। देखते-देखते हमारे परिजन, मित्र नफरत फैलाने वालों का शिकार बनते हैं। लेकिन सिवाय तकदीर को दोष देने के क्या कर पाते हैं। सीखना चाहें तो सीख सकते हैं, चिड़िया से, गाय से, किसी कुहुकती कोयल से, किसी तोते से। न लड़ें न लड़ें। बिना लड़ाई-झगड़े के ये दुनिया कितनी खूबसूरत बन सकती है। ■

अनिता घोष

पालक के पराठे

सामग्री- 250 ग्राम आटा, 200 ग्राम पालक (कद्दूकस किया हुआ), आधा चम्मच अजवाइन, आधा चम्मच जीरा, एक चम्मच गरम मसाला पाउडर, 3-4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, एक इंच अदरक बारीक कटा हुआ, एक चम्मच धनिया पत्ति बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, पराठे सेंकने के लिए घी।

विधि- एक बर्तन में आटा लें। इसमें कद्दूकस किया हुआ पालक, जीरा, अचवाइन, अदरक, गरम मसाला पाउडर, हरी मिर्च, हरा धनिया, एक चम्मच घी और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। अब 15-20 मिनट के लिए गूंथे हुए आटे को ढंक कर रख दें। तय समय के बाद आटे की लोइयां बनाएं और धीरे-धीरे गोलाकार बेले लें। मीडियम आंच पर तवा गरम करने के लिए रखें। तवा गरम होते ही परांठा डालकर दोनों तरफ पहले सूखा सेंक लें। फिर इन पर घी लगाकर दोनों तरफ से सेंक लें। इसी तरह सभी पराठे सेंक ले। आंच बंद कर दें। तैयार हो गए पालक के पराठें। इसे दही या हरी चटनी के साथ परोसें।

कीमा राइस

सामग्री- 500 ग्राम बासमति राइस, दही एक कप, 200 ग्राम चिकन कीमा, प्याज 100 ग्राम तला हुआ, दूध एक कप, देसी घी 100 ग्राम, साबुत बड़ी इलायची 2-3, एक चम्मच गरम मसाला पाउडर, नमक स्वादानुसार, तेजपत्ता 2, दालचीनी का टुकड़ा एक इंच, छोटी इलायची 4-5, लौंग 4-5, एक चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, हल्दी एक छोटा चम्मच, एक चम्मच जीरा पाउडर, एक चम्मच धनिया पाउडर, सौंफ एक चौथाई छोटा चम्मच, नींबू का रस एक छोटा चम्मच, हरी धनिया कटी हुई एक कप।

विधि- एक मीडियम साइज के भंगोने में पानी डालकर गरम करने के लिए रखें। जब पानी उबलने लगे तो उसमें चावल धो कर डाल दें। अब उसमें लौंग, दालचीनी, सौफ, बड़ी इलायची, छोटी इलायची, थोड़ा सा धनिया पत्ता स्वादानुसार नमक डाल दें। थोड़े देर तक चावल को पकने दें। अब एक कढ़ाही में घी डाल कर उसमें तला हुआ प्याज, अदरक लहसुन पेस्ट, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, नमक, मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर, नींबू का रस, दही, हरी धनिया डालें और थोड़ी देर चलाने के बाद पकने दें। कढ़ाही में पक रहे मसालों में कीमा को धो कर डाल दें और सारे मसालों को थोड़े देर के लिए चलाएं। जब चावल अधपका हो गया हो तो चावल के बर्तन को गैस से उतार कर पसार दें। इसके बाद अधपके चावल के ऊपर दूध डाल दें। इसके बाद सारा चावल कढ़ाही में डालकर थोड़ी देर चलाए और फिर ढंक दें। हल्की आंच पर 5-6 मिनट तक पकाएं। 5-6 मिनट तक पकने के बाद कढ़ाई को खोलें और कलछी से चलाते रहें। तैयार हो गया कीमा राइस। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(30 नवं -06 दिसम्बर)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- कुछ भी कहने से पहले सोचें, फिर कहें। एक साथ कई मुद्दों से जूझ रहे हैं लेकिन धैर्य रखेंगे तो चीजें धीरे धीरे आपके पक्ष में होती जाएंगी। पुराने मित्रों से मिलने और उनके साथ फिर से जुड़ने की सम्भावना है। जल्दबाजी में निर्णय ना लें, देखें विकास के लिए क्या सही है और क्या गलत। विवादों से दूर रहें। परिवार के साथ समय बिताएं। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्क रहें।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- खुद कि देखभाल करें, थका हुआ महसूस कर रहे हैं तो इसीलिए कुछ समय अपने लिए निकालें। निराश और तनावग्रस्त होने के बजाय जीवन को बड़े परिप्रेक्ष्य में देखने कि कोशिश करें। खर्चो को सीमित करके पैसे को संभाल कर रखें। वैवाहिक जीवन में असंतोष का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर यह समय थोड़ा सचेत रहने का है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सबको साथ लेकर चलना जरूरी है।

मिथुन (22मई -21जून)- समय नए मौके और नए प्रस्ताव लेकर आएगा। जिस चीज के बारे में बहुत दिनों से सोच रहे थे, उसके लिए प्रयासों को सही दिशा देने में भी सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के प्रयास सफल रहेंगे। कुछ नया करना बेहतरीन रहेगा। खुद का काम करना चाहते हैं तो बिलकुल आगे बढ़ें। सफलता कदम चूमेगी। कार्य को लेकर विदेश यात्रा के भी योग हैं।

कर्क (22जून -22जुलाई)- परिस्थितियों का संतुलन बनाना आवश्यक रहेगा। किसी भी प्रकार से कोई ऐसा निर्णय ना लें, जिससे नौकरी पर प्रभाव पड़े। नौकरी छोड़ना परेशानी का कारण बन सकता है। प्रयास करते रहें। कोई भी फैसला जल्दबाजी में ना लें। खर्च पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। मन को शांत रखें। ध्यान एवं योग अपनाएं।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ध्यान रखना जरूरी है ताकि भविष्य में किसी प्रकार का षड्यंत्र न हो। स्वास्थ्य के प्रति भी सचेत रहने कि आवश्यकता है। किसी प्रकार के आर्थिक निवेश के पूर्व जानकारी प्राप्त कर लें अन्यथा नुक्सान उठना पड़ सकता है। परिवार के साथ समय व्यतीत करें।

कन्या (22अगस्त -23सितम्बर)- मेहनत भरपूर लगानी पड़ेगी, तब जाके नतीजे मन के अनुसार होंगे। नई दिशा निर्धारित करने के लिए गहन अध्ययन करना पड़ेगा। बिना सोचे समझे कोई भी निर्णय जल्दबाजी में ना लें। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

तुला (24सितम्बर -23अक्टूबर)- कार्यो को पूरा करने में चुनौतियों और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। सहयोगियों और वरिष्ठों से परेशानी हो सकती है। आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखना मुश्किल होगा। बजट बनाएं और उसका पालन करें। रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखने के लिए बेहतर समय निकालें एवं पार्टनर के साथ छोटी यात्राओं की योजना बनाएं।

वृश्चिक (24 अक्टूबर -22नवम्बर)- संघर्ष और चुनौतियां ला सकता है। साथियों के साथ कुछ टकराव का सामना करेंगे, जो मन कि शांति को भंग करेगा। ऑफिस की राजनीति के कारण भी चिंतित महसूस कर सकते हैं। सभी बाधाओं के बावजूद सकारात्मक रवैया रखने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इससे प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी।

धनु (23नवम्बर -22दिसम्बर)- पेशेवर जीवन धीमा रहेगा। कार्यस्थल पर प्रेरणा और सराहना कि कमी होगी। करियर में असंतोष मन को अशांत करेगा। मौजूदा कार्यो पर ध्यान दें। अभी बदलाव के लिए समय अनुकूल नहीं है। किसी भी निवेश करने से बचें। जीवनसाथी के छोटी छोटी बातों पर तकरार और झगडे का सामना करेंगे। कठिन समय में भरोसा करना ही मजबूत बंधन बनाने की कुंजी है।

मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)- करियर का मोर्चा मध्यम होगा। किसी भी चीज के नकारत्मक मापदंडों के साथ साथ सकारात्मक भी देखें। कार्यस्थल पर कर्मचारियों के बीच कुछ समूहवाद और संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है। यदि कुछ नया शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो पेशेवरों से सलाह अवश्य लेनी चाहिए। वित्तीय परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वस्थ जीवन शैली अपनाना चाहिए और दिनचर्या में व्यायाम और ध्यान को शामिल करना चाहिए।

कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी)- कामकाजी जीवन सुचारू रूप से नहीं चलेगा। वर्तमान कार्य में थका हुआ और अटका हुआ महसूस करेंगे। हो सकता है कि करियर के विकास में रु कावट महसूस करें, उच्च अधिकारियों से बात करनी चाहिए। निर्णय लेने और कार्यक्षेत्र के वातावरण में बदलाव लाने के लिए सक्रिय रहने की आवश्यकता है, अन्यथा तनावग्रस्त रहेंगे। वाहन चलते समय सावधानी बरतें।

मीन (20फरवरी -20मार्च)- व्यापार अथवा नौकरी के लिए समय अनुकूल रहेगा और लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब होंगे। साझेदारी में काम करने वाले लोगों के लिए आशा के अनुरूप रहेगा। कड़े परिश्रम से ही सफलता हाथ लगेगी। विवाह की बात चल सकती है। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक दृष्टि से समय अनुकूल है। साझेदार अथवा जीवनसाथी भी धन में वृद्धि करने में मददगार साबित होगा।

संक्षिप्त खबरें

किआ सेकेंड हैंड बाजार में

नई दिल्ली। वाहन कंपनी किआ इंडिया प्रमाणित पुरानी गाड़ियों (सेकेंड हैंड) के कारोबार में उतर गई है। कंपनी ने कारोबार बढ़ाने के लिए इस साल के अंत तक 30 बिक्री केंद्र खोलने की योजना बनाई है। किआ ने मंगलवार को बयान में कहा कि उसके प्रमाणित पुरानी कार यानी 'सेकेंड हैंड' गाड़ियों का कारोबार 'किआ सीपीओ' का मकसद ग्राहकों को अलग तरह का अनुभव प्रदान करना है। यह नई कार खरीदने के जैसा होगा। इसके तहत उन्हें पुराने वाहनों को बेचने, खरीदने और पुरानी कार को बदलकर दूसरी गाड़ी लेने की सुविधा होगी। ग्राहकों को इसके लिए स्वामित्व हस्तांतरण और कर्ज की सुविधा भी मिलेगी।

गो फर्स्ट को पूंजी मिली

नई दिल्ली/मुंबई। कई मोर्चों पर बाधाओं का सामना कर रही विमानन कंपनी गो फर्स्ट को एक सरकारी योजना के तहत अतिरिक्त 400 करोड़ रुपए मिले हैं। इसके साथ ही उम्मीद है कि आने वाले सप्ताह में कंपनी को 16 नए पीएंडडब्ल्यू इंजन मिल जाएंगे, जिसके बाद वह अधिक विमानों का परिचालन कर सकेगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गो फर्स्ट के कम से कम 25 विमान इस समय उड़ान नहीं भर रहे हैं। ऐसा मुख्य रूप से प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) इंजन की अनुपलब्धता के कारण है। ये इंजन इसके ए320 बेड़े के लिए जरूरी हैं। कंपनी उड़ान में देरी जैसी समस्याओं से जूझ रही है।

निवेशक सम्मेलन की तैयारी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि कोयला ब्लाक की वाणिज्यिक नीलामी में बोलीदाताओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए इस सप्ताह मुंबई में एक निवेशक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी एक दिसम्बर को होने वाले इन सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुख्य अतिथि होंगे। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विशिष्ट अतिथि होंगे। इसी महीने कोयला मंत्रालय ने वाणिज्यिक खदानों की नीलामी के छठे दौर के तहत 133 कोयला खदानों की बिक्री की प्रक्रिया शुरू की थी।

फ्यूजन का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। सूक्ष्म वित्त कंपनी फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस का शुद्ध लाभ 30 सितम्बर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कई गुना बढ़कर 95 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने मंगलवार को बयान में यह जानकारी दी और कहा कि उच्च ब्याज आय से उसका मुनाफा बढ़ा है। एक साल पहले समान तिमाही में कंपनी ने 3.2 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। 15 नवम्बर को शेयर बाजार (बीएसई एवं एनएसई) में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी की यह पहला तिमाही नतीजा है। आलोच्य अवधि में कंपनी की कुल आय भी 69.34 प्रतिशत बढ़कर 452.3 करोड़ रुपए हो गई।

उपभोक्ता संरक्षण पर वर्कशाप

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय देश के पूर्वोत्तर राज्यों में उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर दो दिसंबर को गुवाहाटी में एक कार्यशाला आयोजित करने जा रहा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार सिंह, अतिरिक्त सचिव निधि खरे और पूर्वोत्तर के आठों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यशाला में शिरकत करेंगे। पूर्वोत्तर में उपभोक्ता आयोगों के समक्ष लंबित मामलों की संख्या में कमी लाने पर ध्यान दिया जाएगा।(एजेंसी)

डिजिटल रुपए के खुदरा इस्तेमाल का पायलट परीक्षण कल से

■ इस परीक्षण में शामिल होंगे बैंक और ग्राहक ■ थोक परीक्षण पहले ही कर चुका है रिजर्व बैंक

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) डिजिटल रुपए के खुदरा इस्तेमाल से संबंधित पहला पायलट परीक्षण एक दिसम्बर से करेगा जिसमें सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के चार बैंक शामिल होंगे। आरबीआई ने मंगलवार को जारी बयान में केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा के खुदरा उपयोग संबंधी पायलट परीक्षण की घोषणा की।

आरबीआई ने कहा कि एक दिसम्बर को बंद उपयोगकर्ता समूह (सीयूजी) में चुनिंदा जगहों पर यह परीक्षण किया जाएगा। इसमें ग्राहक एवं बैंक मर्चेंट दोनों शामिल होंगे। इसके पहले केंद्रीय बैंक डिजिटल रुपए के थोक खंड का पायलट परीक्षण कर चुका है। एक नवम्बर को डिजिटल रुपए के थोक खंड का पहला पायलट परीक्षण हुआ था।

डिजिटल रुपए के खुदरा उपयोग के इस परीक्षण में भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक समेत चार बैंक शामिल होंगे। यह परीक्षण दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और भुवनेश्वर में किया जाएगा। आरबीआई ने कहा, 'इलेक्ट्रानिक रुपया एक डिजिटल टोकन के स्वरूप में होगा जो एक वैध मुद्रा का प्रतिनिधित्व करता है। इसे इस समय जारी होने वाली कागजी मुद्रा एवं सिक्कों के मौजूदा आकार में ही जारी किया जाएगा।'

■ चुनिंदा जगह पर एक दिसम्बर को होगा परीक्षण
■ इस परीक्षण में शामिल किए जाएंगे चार बैंक
■ भुवनेश्वर के अलावा दिल्ली, मुंबई व बेंगलुरु में होगा परीक्षण
■ लोगों को बैंकों से मिलेगा डिजिटल रुपया

डिजिटल रुपए को बैंकों के माध्यम से वितरित किया जाएगा और उपयोगकर्ता पायलट परीक्षण में शामिल होने वाले बैंकों की तरफ से पेश किए जाने वाले डिजिटल वालेट के जरिए ई-रुपये में लेनदेन कर पाएंगे। यह लेनदेन पी2पी और पी2एम दोनों को ही किए जा सकेंगे।

आरबीआई ने कहा कि यह डिजिटल रुपया परंपरागत नकद मुद्रा की ही तरह धारक को भरोसा, सुरक्षा एवं अंतिम समाधान की खूबियों से भी लैस होगा। आरबीआई ने कहा, 'नकदी की ही तरह डिजिटल रुपया के धारक को भी किसी तरह का ब्याज नहीं मिलेगा और इसे बैंकों के पास जमा के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।'

विस्फोटक नियम के प्रावधानों से इसरो को प्रदान की गई छूट

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्र सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को अंतरिक्ष राकेट के लिए ठोस प्रणोदक के निर्माण, भंडारण, उपयोग और परिवहन के लिए मंजूरी लेने के नियम से छूट दी है। ठोस प्रणोदक अंतरिक्ष राकेट में इस्तेमाल होने वाला मुख्य ईंधन है। सरकार ने कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के तहत यह फैसला किया।

इससे पहले, इसरो को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की एक शाखा पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) से लाइसेंस लेना पड़ता था। डीपीआईआईटी की एक अधिसूचना के अनुसार यह छूट कुछ शर्तों के तहत दी गई है। शर्तों के अनुसार इसरो को विस्फोटकों के निर्माण, भंडारण, परिवहन और उपयोग के लिए विस्फोटक भंडारण एवं परिवहन समिति (एसटीईसी) के दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

फेम-2 नियमों का उल्लघंन करने पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण की योजना (फेम) के तहत स्थानीयकरण नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने मंगलवार को यह बात कही।

मंत्री ने एसोचैम के एक कार्यक्रम से इतर यहां कहा कि नियमों के कथित उल्लंघन के लिए जिन कंपनियों की जांच चल रही है, उनको सब्सिडी का वितरण रोक दिया गया है। पांडेय ने कंपनियों के स्थानीयकरण मानदंडों का उल्लंघन करने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हम इसकी कड़ाई से जांच कर रहे हैं। अगर नियमों का उल्लंघन किया गया है, तो जरूरी कार्रवाई की जाएगी।'

■ इस योजना के तहत स्थानीयकरण नियमों का पालन नहीं कर रहीं कई कंपनियां
■ इसके लिए कई कंपनियों की फिलहाल की जा रही है जांच
■ जांच के दायरे में शामिल कंपनियों का सब्सिडी वितरण रोका गया

किन कंपनियों की हो रही है जांच

इस योजना का उल्लंघन करने वाली कंपनियों में हीरो इलेक्ट्रिक, ओकिनावा आटोटेक रिवोल्ट ओकोये, एम्पियर और जितेंद्र ईवी हैं शामिल।

सूत्रों के अनुसार, फेम-दो योजना के तहत कथित उल्लंघन करने वाली कंपनियों हीरो इलेक्ट्रिक, ओकिनावा आटोटेक, रिवोल्ट, ओकोये, एम्पियर और जितेंद्र ईवी की पड़ताल की जा रही है। फेम-दो के तहत कम से कम 50 प्रतिशत माल की खरीद स्थानीय स्तर पर करना जरूरी है।

भारत जी20 देशों के साथ डिजिटल ढांचे को प्रोत्साहन देगा : कांत

नई दिल्ली (भाषा)।

विकसित एवं विकासशील देशों के समूह जी20 में भारत के 'शेरपा' अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि भारत अन्य देशों के साथ मिलकर डिजिटल सार्वजनिक ढांचे को बढ़ावा देगा ताकि वित्तीय समावेशन एवं सेवा आपूर्ति को बेहतर किया जा सके।

भारत एक दिसम्बर से जी20 का औपचारिक रूप से अध्यक्ष पद संभालने जा रहा है। फिलहाल इस समूह की कमान इंडोनेशिया के पास है। कांत ने कार्नेगी इंडिया की तरफ से यहां आयोजित सातवें 'ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जी20 की अध्यक्षता ऐसे समय संभालने जा रहा है जब दुनिया उथलपुल भरे दौर से गुजर रही है। उन्होंने यूरोप में पैदा हुए भू-राजनीतिक तनाव और कोविड काल में 20 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा के नीचे जाने का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, 'इस समय वैश्विक ऋण का बड़ा संकट है। दुनिया में करीब 70 देश इस संकट का सामना कर रहे है।

एयर इंडिया में विस्तारा का जल्द होगा विलय

■ इस सौदे से एयर इंडिया को मिलेगा 2058 करोड़ का निवेश

■ विस्तारा में टाटा के हैं 51 फीसद शेयर ■ 49% शेयर सिंगापुर एयरलाइंस के पास

नई दिल्ली (भाषा)।

विमानन क्षेत्र में बड़े स्तर पर एकीकरण की तैयारी है। इसके तहत विस्तार का एयर इंडिया के साथ विलय होगा। इस सौदे के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। टाटा समूह ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि प्रस्तावित सौदा मार्च, 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है जो नियामकीय मंजूरी पर निर्भर है।

विस्तार में टाटा समूह की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बाकी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) के पास है। इस सौदे के तहत एसआईए एयर इंडिया में 2,058.5 करोड़ रुपए का निवेश भी करेगी।'

टाटा समूह ने कहा कि इस विलय के साथ एयर इंडिया देश की सबसे प्रमुख घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा देने वाली एयरलाइन होगी। उसके बेड़े में 218 विमान होंगे और वह देश की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनी तथा दूसरी सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन होगी।

एसआईए और टाटा संस जरूरत होने पर वृद्धि और परिचालन को गति देने के लिये वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24 में अतिरिक्त पूंजी डालने पर भी सहमत हुए है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि विस्तारा और एयर इंडिया का विलय मील का पत्थर साबित होगा।

शेयरों में लगातार छठे दिन तेजी

मुंबई (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार छठे कारोबारी दिन तेजी का सिलसिला जारी रहा और दोनों मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी एक बार फिर नए रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए। एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख तथा विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने के साथ बाजार में तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 177.04 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ रिकार्ड 62,681.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 382.6 अंक तक चढ़ गया था।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 55.30 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 18,618.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, नेस्ले, डा. रेड्डीज, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और एचसीएल टेक्नोलॉजीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, मारुति, पावरग्रिड और लार्सन एंड टुब्रो शामिल है। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे, जबकि जापान के निक्की में नुकसान रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरु आती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार वाल स्ट्रीट सोमवार को नुकसान में रहा था।

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टाक ब्रोकर्स के प्रमुख (बुनियादी शोध) नरेन्द्र सोलंकी ने कहा, 'एशिया के अन्य बाजारों में सकारात्मक रुख के साथ भारतीय बाजार बढ़त के साथ खुला दोपहर के कारोबार में दैनिक उपयोग का सामान तथा टिकाऊ उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में भारी लिवाली से बाजार में सकारात्मक रुख बना रहा।' उन्होंने कहा, 'विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के सकारात्मक रुख से भी धारणा मजबूत हुई है।

एडब्ल्यूएस भारतीय बाजार को लेकर उत्साहित

लास वेगास (भाषा)।

अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने हैदराबाद में अपने दूसरे डेटा सेंटर की स्थापना के लिए भारी निवेश की घोषणा के बाद यहां कहा कि वह भारतीय बाजार को लेकर उत्साहित है। कंपनी ने कहा कि यहां क्लाउड एडाप्शन के क्षेत्र में वृद्धि की बड़ी संभावनाएं है।

अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग इकाई एडब्ल्यूएस ने भारतीय बाजार के लिए अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते लागत कम करने, दक्षता हासिल करने और व्यावसायिक नवाचार चलाने के चलन में बढ़ोतरी होगी। अमेजन इंटरनेट सर्विसेज में एडब्ल्यूएस भारत/द. एशिया के वाणिज्यिक व्यवसाय के अध्यक्ष पुनीत चंडोक ने कहा, 'क्लाउड अनिश्चितता का अच्छी तरह से जवाब देता है।'

लाखों खुदरा विक्रेता एक मुक्त डिजिटल मंच पर जल्द बेच सकेंगे अपने उत्पाद

■ अगले दशक में होंगे कई अहम बदलाव

नई दिल्ली (भाषा)। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन नंदन निलेकणि ने मंगलवार को कहा कि अगले दशक में डिजिटल कामर्स के लिए मुक्त नेटवर्क (ओएनडीसी) जैसे कदमों की वजह से भारत में 'महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियां' देखने को मिलेंगी।

निलेकणि ने कार्नेगी इंडिया की तरफ से यहां आयोजित सातवें 'ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि अगले एक दशक में भारत में व्यापक आधार वाली, समावेशी एवं लोकतांत्रिक आर्थिक गतिविधियां देखने को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसा मौजूदा समय में घटित हो रहे तीन बदलावों के कारण होगा। निलेकणि ने इसका ब्योरा देते हुए कहा, 'इस समय तीन बड़ी चीजें घटित हो रही है जिनका अगले दशक में भारत पर प्रभाव पड़ेगा। पहला ओएनडीसी, दूसरा खाता एग्रीगेटर नेटवर्क और तीसरा लाजिस्टिक क्षेत्र में जीएसटी, फास्टैग एवं ई-वे बिल के कारण आ रहे बदलाव हैं।'

■ डिजिटल कामर्स के मुक्त नेटवर्क ओएनडीसी के गठन की चल रही है तैयारी
■ अगले एक दशक में तीन बड़ी चीजें हो रही हैं गठित
■ इन तीन चीजों में ओएनडीसी, एग्रीगेटर खाता व लाजिस्टिक क्षेत्र के बदलाव शामिल
■ यह तीन चीजें लाएंगी बड़ो लोकतांत्रिक व सामाजिक बदलाव

उन्होंने उम्मीद जताई कि वस्तुओं एवं सेवाओं के आदान-प्रदान से जुड़े सभी पहलुओं के लिए एक मुक्त मंच के तौर पर गठित किया जा रहा 'ओएनडीसी' जल्द शुरू होगा। ओएनडीसी के माध्यम से लाखों छोटे आपूर्तिकर्ता अपने उत्पादों की बिक्री इस इलेक्ट्रानिक नेटवर्क पर कर पाएंगे। उन्होंने कहा, 'खाता एग्रीगेटर नेटवर्क में एक सहमति प्रबंधक आपकी तरफ से आपसे संबंधित आंकड़े विभिन्न सेवा प्रदाताओं से हासिल करता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी, फास्टैग एवं ई-वे बिल जैसे कदमों से लाजिस्टिक क्षेत्र में बदलाव हो रहा है।

कैंसर पीड़ितों के लिए लांच हुआ सपोर्ट ऐप

■ ऐप के जरिए इलाज की जानकारियां आनलाइन मिलेंगी ■ कैंसर की कोई भी दवा आसानी से मंगा सकेंगे मरीज

नई दिल्ली (वार्ता)।

रॉश फार्मा इंडिया ने मंगलवार को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित उन मरीजों के लिए अपना नया डिजिटल प्रोग्राम 'द ब्लू ट्री 2.0' मोबाइल ऐप लांच किया, जो भारत में रॉश के 'ब्लू ट्री पेशेंट सपोर्ट' प्रोग्राम का हिस्सा है।

यह मोबाइल ऐप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफार्म पर मौजूद है। यह ऐप मरीजों के लिए कई पेशेंट सपोर्ट सर्विसेज तक आसानी से पहुंच उपलब्ध कराएगा, जिससे उनके इलाज का सफर ज्यादा आसान बन सकेगा। इस ऐप का मकसद मरीजों के इनरोलमेंट में तेजी लाकर रोगियों और स्वास्थ्य रक्षा कर्मियों के अनुभव को बेहतर बनाना था। यह ऐप मरीजों को कई सपोर्ट सेवाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराता है और उन्हें इसके लिए एडवांस में नोटिफिकेशन देता है। यह कार्यक्रम का दायरा और पहुंच बढ़ाता है, जिससे ज्यादा से ज्यादा मरीजों को यह सुविधाएं मिल सकें।

इससे खासतौर से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों को फायदा होता है। यह ऐप मरीजों को इस सपोर्ट प्रोग्राम के सफर को अपने फोन से सीधे मैनेज करने की इजाजत देता है। मरीज इस मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रमुख ब्लू ट्री प्रोग्राम के कई फीचरों और लाभ उठा सकते है। इसमें मरीजों का डिजिटल इनरोलमेंट किया जाता है। इसमें एक इनरोलमेंट ट्रैकर होता है, जो यह संकेत देता है कि यह कार्यक्रम कितने फीसद तक पूरा हो गया है। इसमें मरीज मुफ्त में दवाई की मदद प्राप्त करने के लिए अपना अनुरोध दे सकते है, जिसे रॉश के मरीजों की मदद करने के कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर उपलब्ध कराया जाता है। मरीजों को दवाइयों की डिलीवरी उनके घर के दरवाजे पर मिलती है। इसमें एक लाइव आर्डर ट्रैकर भी है, जिससे आपको यह पता चलता है कि आपकी दवाएं अभी कहां है और वह कब तक आप तक पहुंचेंगी। इससे मरीजों को उनके आगामी इन्फ्यूजन शेड्यूल के बारे में एडवांस नोटिफिकेशन मिलती है। इसके अलावा उन्हें तरह-तरह की बीमारियों के टेस्ट और परामर्श जैसे दूसरी मूल्य वर्धित सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। मरीज केवल एक बटन को क्लिक कर भावनात्मक सेहत, फिजियोथेरैपी और पौष्टिक भोजन आदि के बारे में विशेषज्ञों से मुफ्त परामर्श के लिए अपॉइंटमेंट बुक करा सकते है। मरीज मुफ्त डायग्नोस्टिक्स सपोर्ट सर्विस के लिए बुकिंग करा सकते है।

इसको गूगल प्ले स्टोर या एपल आईओएस स्टोर से ब्लू ट्री मोबाइल एप्लिकेशन को डाउनलोड किया जा सकता है।

एपल ने ट्विटर पर बंद किए विज्ञापन

लास एंजिलिस (वार्ता)। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने कहा है कि एपल ने ट्विटर पर अपने अधिकांश विज्ञापन बंद कर दिये हैं और कंपनी ने अपने ऐप स्टोर से प्लेटफार्म को हटाने की धमकी दी है। उल्लेखनीय है कि माइक्रो ब्लागिंग साइट के लिए मस्क की सामग्री माडरेशन योजनाओं के बारे में चिंताओं के बीच कई कंपनियों ने ट्विटर पर अपने विज्ञापन बंद कर दिये हैं।

बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि बीबीसी ने जब इस बारे में एपल कंपनी से सम्पर्क किया, तो एपल ने इस बारे में कोई जवाब नहीं दिया। मस्क ने कहा है कि ट्विटर के राजस्व में भारी गिरावट आई है। उन्होंने विज्ञापनदाताओं पर दबाव डालने के लिए कंपनियों को दोषी ठहराया है। उन्होंने सोमवार को सिलसिलेवार ट्वीट में एपल पर 'सेंसरशिप' का आरोप लगाया है।

सेबी के पंजीकृत बाजार मध्यस्थों के लिए उद्योग का दर्जा चाहते है शेयर ब्रोकर

नई दिल्ली (भाषा)। शेयर ब्रोकरों के संगठन एसोसिएशन आफ नेशनल एक्सचेंजेज मेंबर्स आफ इंडिया (एएनएमआई) ने आम बजट से पहले सरकार से सेबी के पास पंजीकृत मध्यस्थ इकाइयों को उद्योग का दर्जा देने की मांगी है। साथ ही संघ ने प्रतिभूति लेनदेन कर एवं जिंस लेनदेन कर को पूरी तरह से समाप्त करने का आग्रह किया है।

एएनएमआई ने एक लाख रुपए तक के लघु अवधि के पूंजीगत लाभ पर कर छूट की मांग की है और लाभांश पर कर की सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है। करीब 900 ब्रोकरों के समूह एएनएमआई ने सीबीडीटी के चेयरमैन नितिन गुप्ता को बजट पूर्व ज्ञापन में सेबी-पंजीकृत बाजार मध्यस्थों के लिए उद्योग का दर्जा मांगा है।

अच्छे आडियो वाला स्मार्टफोन पसंद करते हैं ज्यादातर यूजर्स

■ एक सर्वे में 71 फीसद यूजर्स ने जताई इसकी इच्छा ■ 62 फीसद लोग अच्छे कैमरे को देते हैं प्राथमिकता

नई दिल्ली (वार्ता)।

डिजिटल सेवा उपभोक्ता खासकर तकनीक के जानकार लोग हफ्ते में 20 घंटे से अधिक समय तक इंटरनेट पर मौजूद सामग्री देखते हैं और पिछले तीन वर्षों में बेहतरीन आडियो चाहने वालों की संख्या में 11 फीसद की वृद्धि हुई है।

स्मार्टफोन यूजर्स के बीच आडियो के महत्व पर किए गए एक विस्तृत सर्वेक्षण के तीसरे संस्करण में बताया गया कि आडियो क्वालिटी सबसे महत्वपूर्ण है जिसने 100 में से 71 अंक प्राप्त किए और यह स्मार्टफोन खरीदने के लिए उपभोक्ता के निर्णय को प्रभावित करती है।

आडियो क्वालिटी के लिए महत्व के अंक वर्ष 2020-2022 के बीच आठ प्रतिशत बढ़ा है। डाल्बी द्वारा चालू इस सर्वेक्षण में आडियो के बाद बैटरी के अंक 67 और कैमरे ने 62 अंक प्राप्त किए। वर्ष 2020 में पहला सीएमआर सर्वे किया गया था। इस सर्वेक्षण के अनुसार, हर पांच में से चार उपभोक्ताओं ने कहा कि बेहतर साउंड और पिक्चर क्वालिटी से उनकी वीडियो देखने की अवधि बढ़ी है।

■ 67 फीसद लोग बैटरी क्षमता देखकर खरीदते हैं नए स्मार्टफोन
■ हफ्ते में 20 घंटे से ज्यादा वीडियो देखते हैं स्मार्टफोन के यूजर्स

छः में से पांच उपभोक्ताओं को लगता है कि डाल्बी एटमास एवं डाल्बी विजन से मोबाइल मनोरंजन की अवधि में बढ़ोतरी होगी जबकि इससे अनुदान के लिए तय करने वाले निर्णय में फर्क पड़ेगा।

इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के सीएमआर के प्रमुख प्रभु राम ने कहा, 'विभिन्न तरह के उपयोगों, जैसे संगीत, फिल्में, खेल और मोबाईल गेमिंग के साथ प्रीमियम आडियो अनुभव उपभोक्ताओं द्वारा न केवल अपने स्मार्टफोन बल्कि अन्य साथ में रहने वाले उपकरण में भी पसंद किए जा रहे है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम के सामने सीरीज बराबर करने की चुनौती

क्राइस्टचर्च। टी-20 सीरीज और दूसरे वनडे के बारिश से प्रभावित होने के बाद भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां हैगली ओवल पर बुधवार को खेले जाने वाले तीसरे एकदिवसीय मैच पर भी बारिश का खतरा मंडरा रहा है।

अंतिम वनडे पर भी मंडरा रहे बादल

टी-20 सीरीज के पहले मैच में भारत की विजय के बाद दूसरा टी-20 बारिश के कारण रद्द कर दिया गया, जबकि तीसरा वर्षाबाधित टी-20 टाई होने के कारण भारत ने सीरीज 1-0 से जीत ली। वनडे सीरीज में भी तस्वीर कुछ ऐसी ही है, जहां पहला मैच न्यूजीलैंड के पक्ष में गया और दूसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। शिखर धवन की टीम जब भारतीय समयानुसार सुबह सात बजे मैदान पर उतरेगी तो उसके सामने सीरीज 1-1 से बराबर करने की चुनौती होगी। यह नतीजा भी तभी संभव है जब हैगली ओवल पर मैच हो सके, लेकिन यहां बुधवार को बारिश के 70 प्रतिशत आसार हैं। यदि बुधवार को क्राइस्टचर्च में किसी तरह मैच हो पाता है तो भारत के सामने यह सवाल होगा कि वह संजू सैमसन और दीपक हुड्डा में से किसे टीम में जगह दे। पहले मैच में सात विकेट की हार के बाद भारत ने छठे गेंदबाज की कमी महसूस की, जिसे पूरा करने के लिये हरफनमौला हुड्डा को दूसरे वनडे के लिये एकादश में शामिल किया गया। हुड्डा के टीम में आने से पहले मैच में 36 रन का योगदान देने वाले सैमसन को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। सैमसन जहां अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए टीम में जगह के हकदार हैं, वहीं हुड्डा को भी बिना मौका दिए बाहर बैठाना ठीक नहीं होगा। टी-20 विश्वकप के ठीक बाद खेली जा रही यह सीरीज भले ही दोनों टीमों के लिए ज्यादा महत्व न रखती हों, लेकिन हुड्डा और सैमसन जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए यह अपना लोहा मनवाने का अवसर था।

पहले पावरप्ले में भारतीय बल्लेबाजी चर्चा का विषय

पहले पावरप्ले (पहले दस ओवर) में भारतीय बल्लेबाजी चर्चा का विषय रही है। वनडे क्रिकेट में शानदार सलामी बल्लेबाज धवन खुद समझते हैं कि अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्वकप के लिए टीम में जगह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें अपने खेल में काफी बदलाव करना होगा। युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने दो मैचों में 50 और नाबाद 45 रन बनाए हैं। भारतीय क्रिकेट के मौजूदा सुपरस्टार सूर्यकुमार यादव ने सेडोन पार्क पर 12.5 ओवर के खेल में तीन छक्के जड़े। भारत को बड़ा स्कोर बनाना है तो सूर्य और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाजों को अच्छी पारियां खेलनी होग । पंत का वनडे रिकॉर्ड काफी प्रभावी है लेकिन इंग्लैंड दौरे के बाद से वह रन नहीं बना सके। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के सामने मध्यक्रम को स्थिरता देने के लिये उनके बल्ले से रन निकलना जरूरी है। पंत के खेलने और विशेषज्ञ बल्लेबाजों में गेंदबाजी विकल्पों के अभाव के मायने हैं कि संजू सैमसन को एक बार फिर बाहर बैठना पड़ेगा । पिछले मैच में हरफनमौला होने के कारण दीपक हुड्डा को उन पर तरजीह दी गई थी। पिछला मैच बारिश में धुलने के कारण यह देखना होगा कि अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण अंतिम एकादश में कोई बदलाव करते हैं या नहीं । स्पिनर कुलदीप यादव को भी अभी तक मौका नहीं मिला है । वैसे युजवेंद्र चहल या वाशिंगटन सुंदर को बाहर करना उनके साथ ज्यादती होगी। शार्दुल ठाकुर पहले वनडे में कोई कमाल नहीं कर सके लिहाजा अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर और उमरान मलिक ही तेज आक्रमण की कमान संभालेंगे।

बेंच की क्षमता को परख सकता है न्यूजीलैंड

दूसरी ओर, पहला मैच जीतकर सीरीज सुरक्षित कर चुकी न्यूजीलैंड के पास चिंता का कोई कारण नहीं है। वह कई नियमित खिलाड़ियों को इस मैच में आराम देकर बेंच की क्षमता को परख सकते हैं। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी, टिम साउदी और लॉकी फर्ग्युसन के सामने भारतीय बल्लेबाजी की कमजोरी का फायदा उठाने का यह सुनहरा मौका है ।

प्री-क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचा पुर्तगाल

फीफा विश्वकप: उरुग्वे को 2-0 से हराया, ब्रूनो फर्नांडिस ने दागे दो गोल

दोहा। ब्रूनो फर्नांडिस के शानदार डबल गोल की मदद से पुर्तगाल ने फीफा विश्वकप 2022 के ग्रुप-एच के मुकाबले में उरुग्वे को 2-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। इसी के साथ पुर्तगाल ने उरुग्वे से 2018 में मिली हार का बदला भी ले लिया। इस मैच के बाद पुर्तगाल ग्रुप एच में शीर्ष पर है, जबकि उरुग्वे घाना के बाद तीसरे स्थान पर है।

लुसेल स्टेडियम में दक्षिण अमेरिकी टीम के खिलाफ ब्रूनो फर्नांडिस ने मैच के 54वें मिनट में पहला गोल कर अपनी पुर्तगाल को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल कर पुर्तगाल को 2-0 आगे कर दिया। हालांकि, उरुग्वे के गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के चलते वह अपनी हैट्रिक से चूक गए, लेकिन अपनी टीम को अगले दौर में पहुंचाने में उन्होंने अहम योगदान दिया। इस मैच में उनके पास हैट्रिक पूरी करने का शानदार मौका था, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से टकरा गई और वह तीसरा गोल नहीं कर सके। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 54वें मिनट में गोल करने का दावा किया जब उन्हें लगा कि उन्होंने गोल किया है, लेकिन यह गोल फर्नांडिस को दिया गया क्योंकि गेंद उनके क्रॉस के बाद नेट में गई थी। उरुग्वे के लिए मैक्सिमिलियानो गोमेज ने मैच के 75वें मिनट में गोल करने की कोशिश की, लेकिन उनका शॉट सही निशाने पर नहीं था। दूसरे हाफ में भी उरुग्वे की टीम ने गोल करने की मौके बनाए, लेकिन उन्हें भुना नहीं सकी। पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी थीं। ऐसे में उरुग्वे के खिलाड़ी 2018 की तरह फिर से पुर्तगाल को हराने का सपना देख रहे थे, लेकिन ब्रुनो फर्नांडिस ने ऐसा नहीं होने दिया। इस मैच में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लुइस

सुआरेज और एडिन्सन रॉबर्टो कैवानी जैसे दिग्गज खिलाड़ी कोई गोल नहीं कर सके। उरुग्वे के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर ने दक्षिण अमेरिकी टीम के लिए कुछ मौके बनाए लेकिन, कोई खिलाड़ी सही तरीके से फिनिश नहीं कर सका।

रिप्ले में हुआ साफ, ब्रूनो ने किया गोल, रोनाल्डो का दावा गलत

फीफा विश्व कप 2022 में प्रयोग होने वाली आधिकारिक बॉल अल रिहला की आपूर्ति एडिडास ने अपनी तकनीक की मदद से पुष्टि की है कि उरुग्वे के खिलाफ पुर्तगाल के शुरुआती गोल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कोई भूमिका नहीं थी। रोनाल्डो ने उरुग्वे के खिलाफ पुर्तगाल के मैच के 54वें मिनट में एक गोल करने का दावा किया लेकिन बाद में गोल का श्रेय उनकी टीम के साथी ब्रूनो फर्नांडीस को दिया गया। फर्नांडीस ने पिच के बाई ओर से बॉल को पार किया और बॉल गोल में जाते ही रोनाल्डो ने सबसे ऊंची छलांग लगा दी। रिप्ले ने बाद में दिखाया कि रोनाल्डो और बॉल का कोई संपर्क नहीं हुआ था। एडिडास ने अपने बयान में कहा, पुर्तगाल और उरुग्वे के बीच मैच में प्रयोग की गयी एडिडास की अल रिहला आधिकारिक मैच बॉल की कनेक्टेड बॉल तकनीक की मदद से हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि मुकाबले के शुरुआती गोल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गेंद से कोई संपर्क नहीं किया था। रोनाल्डो इस गोल से यूसेबियो के साथ विश्व कप में पुर्तगाल के लिये सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन सकते थे। साथ ही वह विश्व कप में अधिक गोल करने की दौड़ में अपने चिर-प्रतिद्वंदी लियोनेल मेसी को भी पीछे छोड़ देते। बयान में कहा गया, बॉल पर कोई बाहरी बल नहीं मापा जा सका है। बॉल के अंदर 500 हर्ट्ज आईएमयू सेंसर की मदद से हम सटिक विश्लेषण कर पाते हैं।

नीदरलैंड सुपर-16 में, मेजबान कतर बाहर

अल खोर। नीदरलैंड ने मंगलवार को फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप-ए मुकाबले में मेजबान कतर को 2-0 से हराकर सुपर-16 राउंड में प्रवेश कर लिया। अल बैत स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में कोडी गाकपो (26वां मिनट) और फ्रेंकी डी जोंग (49वां मिनट) ने नीदरलैंड के लिए गोल किए, जबकि मेजबान टीम अपने आखिरी मुकाबले में एक भी गोल नहीं कर सकी। एशियाई चैंपियन कतर ग्रुप स्टेज के अपने सभी मुकाबले हारने के साथ विश्व कप 2022 से बाहर हो गई। कतर टूर्नामेंट में तीन मैच हारने वाली पहली मेजबान टीम बनी। साथ ही उसने दक्षिण अफ्रीका (2010) के बाद पहले राउंड में बाहर होने वाले दूसरे मेजबान देश का विस्मरणीय रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। नीदरलैंड ने ग्रुप-ए में शीर्ष पर रहकर पहले राउंड का समापन करने के लिए आक्रामक शुरुआत की। गाकपो ने मैच के 26वें मिनट में क्लासेन की मदद से अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के चौथे मिनट में ही डी जोन्ग ने गोल करके नीदरलैंड की बढ़त को दोगुना कर दिया। कतर का प्रदर्शन इस मैच में निराशाजनक रहा। वह कुल समय के एक तिहाई में ही बॉल को अपने पास रख सकी और कभी भी डच टीम के लिए खतरा नहीं बनी। नीदरलैंड ने तीन मैचों में सात अंकों के साथ सुपर-16 में प्रवेश कर लिया, जबकि सेनेगल तीन मैचों में छह अंकों के साथ ग्रुप-ए से सुपर-16 में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई।

20 साल बाद नॉकआउट में पहुंचा सेनेगल

फीफा विश्वकप: इक्वाडोर को 2-1 से हराया

दोहा। सेनेगल ने इस्माइला सार और कप्तान कलिडो कोलिबाली के गोलों की बदौलत मंगलवार को फीफा विश्व कप 2022 के रोमांचक मुकाबले में इक्वाडोर को 2-1 से हराकर 20 साल बाद सुपर-16 चरण में प्रवेश कर लिया। इससे पहले 2002 में सेनेगल की टीम क्वॉर्टर फाइनल तक पहुंची थी। वहीं, 2018 में वह ग्रुप दौर में बाहर हो गया था। दूसरी ओर, इक्वॉडोर की टीम का सपना टूट गया।

इक्वाडोर 2006 में प्री-क्वॉर्टर फाइनल तक पहुंचा था। खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए ग्रुप-ए मुकाबले में इस्माइला ने 44वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जबकि कलिडो ने 70वें मिनट में गोल जमाकर सेनेगल की जीत सुनिश्चित की। इक्वाडोर का एकमात्र गोल मोइसेस कसीडो ने 67वें मिनट में किया। इक्वाडोर को सुपर-16 में पहुंचने के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी जबकि सेनेगल के लिए जीत आवश्यक थी। हाफ टाइम से ठीक पहले इस्माइला के गोल ने सेनेगल को बढ़त दिला दी और खलीफा स्टेडियम अफ्रीकी देश के प्रशंसकों के ढोल-ताशों की गूंज से भर गया। दूसरे हाफ में 17 मिनट तक यह माहौल रहा लेकिन कसीडो के गोल ने संगीत को शांत कर दिया। इस गोल ने इक्वाडोर के प्रशंसकों को खुश होने का एक अवसर दिया, हालांकि तीन मिनट बाद ही सेनेगल के कप्तान कलिडो ने फ्रीकिक का फायदा उठाकर अपनी टीम को वापस बढ़त की स्थिति में पहुंचा दिया। सेनेगल मैच के अंत तक इसी स्थिति में बनी रही और उसने दूसरी बार विश्वकप के पहले चरण को पार किया। सेनेगल तीन मैचों में छह अंकों के साथ सुपर-16 में पहुंच गयी, जबकि उसके ग्रुप से नीदरलैंड ने सात अंकों के साथ अगले चरण में जगह बनाई है।

जूनियर चैंपियनशिप में सात भारतीय शटलरों की जीत

नई दिल्ली। टॉप सीड उन्नति हुड्डा समेत सात भारतीय शटलरों ने अपने-अपने मैच जीतकर मंगलवार को थाईलैंड के नोंथबुरी में बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप 2022 में अभियान की शानदार शुरूआत की।

अंडर-17 महिला एकल राउंड-आफ-64 मैच में ओडिशा ओपन चैंपियन उन्नति ने जापान की मिसाटो सासाकी को केवल 24 मिनट में 21-11, 21-5 से हराया। बुधवार को राउंड आफ 32 के मैच में उन्नति का सामना इंडोनेशिया की डिया नूर फडिला से होगा। अन्य अंडर-17 महिला एकल मैच में अनमोल खरब ने अपने दोनों मैच जीतकर 32 के दौर में प्रवेश किया। सबसे पहले, उन्होंने सिंगापुर की चुजेई जेनिफर को 21-11, 21-14 से हराया और फिर इंडोनेशिया की वेनिंग सबरीना को 21-19, 21-10 से मात दी। अनमोल अब बुधवार को थाईलैंड के रत्नाचा सोमपोच के खिलाफ खेलेंगी। संप्रीति पाल को अंडर-15 महिला एकल राउंड आफ 128 मैच में इंडोनेशिया की कीरा इंद्रियान से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। भारतीय शटलर ने पहला गेम 21-12 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में 7-21 से हारने के बाद तीसरे गेम में वापसी करते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मैच 48 मिनट में खत्म कर दिया। वह अगले दौर में बुधवार को जापान की रिया हागा से भिड़ेंगी।

एचएस प्रणय बने एसयूडी लाइफ के ब्रांड एम्बेसडर

मुंबई। सरकारी बैंक बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया व दाई-इची होल्डिंग्स जापान के बीच संयुक्त उपक्रम स्टार यूनियन दाई-इची लाईफ इंश्योरेंस ने अर्जुन पुरस्कार के लिए नामांकित बैडमिंटन चैंपियन एचएस प्रणय को अपना ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। इस गठबंधन के साथ थॉमस कप में अपनी ऐतिहासिक विजय के बाद बैडमिंटन चैंपियन एचएस प्रणय की किसी ब्रांड के साथ यह पहली पार्टनरशिप है। एचएस प्रणय ने कहा, भारतीयों को लाईफ इंश्योरेंस पॉलिसी के महत्व के बारे में शिक्षित किए जाने की जरूरत है, ताकि वो भविष्य के वित्तीय दायित्वों को पूरा करने की योजना सही समय पर बना सकें। मुझे ब्रांड के उद्देश्य का हिस्सा बनने की खुशी है। एसयूडी लाईफके मार्केटिंग हेड अरिंदम घोष ने कहा, प्रणय उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ उत्पाद व वैलनेस के समाधान प्रदान करने के एसयूडी लाईफ के प्रयासों का समर्थन करेंगे, जो स्वास्थ्य व संपत्ति की सुरक्षा का वादा करते हैं।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग: ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी पहली बार शीर्ष-20 में पहुंची

नई दिल्ली। भारत की युवा महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने दो स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष-20 में जगह बनाई, जबकि लक्ष्य सेन मंगलवार को जारी ताजा बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर देश के सर्वोच्च रैंक वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। ट्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने पहली बार शीर्ष-20 में प्रवेश किया और उन्हें नंबर 19 पर रखा गया है, जबकि पुरुष एकल में शीर्ष 10 में प्रवेश करने वाले सेन देश के एकमात्र शटलर हैं। पुरुष एकल रैंकिंग में लक्ष्य एक पायदान चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए जबकि श्रीकांत किदांबी और एचएस प्रणय 11वें और 12वें स्थान पर बने हुए हैं। पुरुषों की एकल रैंकिंग में अन्य भारतीयों में, समीर वर्मा ने पिछले सप्ताह आस्ट्रेलियन ओपन में भाग लिया था और दूसरे दौर में हट गए थे। वह दो पायदान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर आ गए। बी साई प्रणीत एक स्थान की बढ़त के साथ 38वें, जबकि मिथुन मंजुनाथ दो स्थान के फायदे के साथ 41वें स्थान पर पहुंच गए हैं। महिला एकल में, पीवी सिंधु छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि पूर्व विश्व नंबर 1 साइना नेहवाल को एक स्थान का फायदा हुआ है। अब वह 32वें स्थान पर आ गई हैं।

एथिक्स ऑफिसर ने रोजर बिन्नी को भेजा नोटिस

हितों के टकराव मामले में 20 दिसंबर तक मांगा जवाब

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आचरण अधिकारी विनीत सरन ने बोर्ड के अध्यक्ष रोजर बिन्नी को हितों के टकराव का नोटिस भेजा है। सरन ने बिन्नी को उनके खिलाफ हितों के टकराव के आरोपों के मामले में 20 दिसंबर तक लिखित जवाब देने को कहा है। शिकायतकर्ता संजीव गुप्ता ने आरोप लगाया है कि बिन्नी का हितों का टकराव है क्योंकि उनकी बहू स्टार

स्पोर्ट्स के लिए काम करती हैं जिसे भारतीय क्रिकेट के घरेलू सत्र के मीडिया अधिकार हासिल हैं। सरन ने 21 नवंबर को जारी नोटिस में कहा, आपको सूचित किया जाता है कि बीसीसीआई के आचरण अधिकारी को बीसीसीआई के नियम 38 (1) (एक) और नियम 38 (2) के उल्लंघन को लेकर शिकायत मिली है जो आपके हितों के टकराव से जुड़े हैं।

सौरभ और नवदीप के कहर से बांग्लादेश-ए ढेर

भारत-ए ने बिना विकेट गंवाए 120 रन बनाकर आठ रन की बढ़त ली

कॉक्स बाजार। भारत-ए ने सौरभ कुमार (23/4) और नवदीप सैनी (21/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत चार-दिवसीय अनाधिकारिक मैच के पहले दिन बांग्लादेश के ऊपर आठ रन की बढ़त बना ली।

बांग्लादेश-ए टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 112 रन पर ऑलआउट हो गई, जबकि भारत-ए ने पहले दिन का खत्म होने तक बिना किसी नुकसान के 120 रन बना लिए। भारत-ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। नवदीप ने मुकेश सिंह (25/2) और अतीत सेठ (23/1) के साथ मिलकर बांग्लादेश को शुरुआती झटके दिए और टीम ने 63 रन पर ही छह विकेट गंवा दिए। बांग्लादेशी टीम के लिए सैकड़े को पार मुश्किल लग रहा था लेकिन मोसद्देक हुसैन ने उन्हें संकट से निकाला। मोसद्देक ने 63 रन और तैजुल इस्लाम (12) के साथ 42 रन की बहुमूल्य साझेदारी की। यह साझेदारी भारत के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती थी लेकिन सौरभ ने तीन रन के अंतराल में दोनों बल्लेबाजों को आउट कर दिया। उन्होंने अंतिम दो बल्लेबाजों को

भी शून्य रन पर आउट किया और बंगलादेशी टीम 112 रन पर समेट दिया। तायजुल इस्लाम ने भी 12 रन का योगदान दिया। इन तीन खिलाड़ियों के अलावा बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज दहाई का अंक नहीं पर कर सका। बांग्लादेश के चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। भारत-ए के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और अभिमन्यु ईश्वरन ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए दिन का खेल खत्म होने तक 120 रन की अजेय साझेदारी की।

'उसकी गति से मुझे बल्लेबाजों को चकमा देने में मिलती है मदद', उमरान को लेकर अर्शदीप का बड़ा बयान

क्राइस्टचर्च। उनकी गेंदबाजी शैली में जमीन आसमान का अंतर है लेकिन अर्शदीप सिंह को उमरान मलिक की तेज रफ्तार से फायदा मिलता है क्योंकि उनकी गति में अंतर से बल्लेबाजों को सामंजस्य बिठाने में दिक्कत होती है। जम्मू के तेज गंदबाज उमरान विश्व क्रिकेट में इंग्लैंड के मार्क वुड और दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नॉर्किया के साथ सबसे तेज गेंदबाज हैं जो 150 किलोमीटर की रफ्तार से लगातार गेंद डाल सकते हैं। अर्शदीप स्विंग गेंदबाज हैं जो 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से गेंदबाजी करते हैं। दोनों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आकलैंड में पहले मैच में वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया और अर्शदीप चाहते हैं कि यह जोड़ी बनी रहे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले कहा,उमरान के साथ गेंदबाजी करना हमेशा अच्छा लगता है। वह खुशदिल इंसान है और ड्रेसिंग रूम का माहौल भी अच्छा रहता है। उन्होंने कहा, जहां तक गेंदबाजी का सवाल है तो उमरान की गेंदबाजी से मुझे काफी फायदा होता है क्योंकि बल्लेबाज को 155 से 135 की रफ्तार में ढलने में दिक्कत आती है। वे गति से चकमा खा जाते हैं। उम्मीद है कि आगे भी हम इस तरह एक दूसरे के साथ गेंदबाजी करते रहेंगे। टी20 में अपनी पहचान बना चुके अर्शदीप 50 ओवरों के क्रिकेट में खेलते हुए बहुत बदलाव नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, मेरा तरीका शुरू में आक्रामक और आखिर में रक्षात्मक गेंदबाजी का है। वनडे में भी मौका मिलने पर ऐसा ही करूंगा। अपने छोटे से कैरियर में अर्शदीप आलोचकों का कोपभाजन भी बन चुके हैं। दुबई में एशिया कप के मैच में भारत की पाकिस्तान के हाथों हार के बाद नशे में धुत एक प्रशंसक ने उन्हें उस समय अपशब्द कहे जब वह टीम बस में बैठने जा रहे थे। अर्शदीप ने कहा , आप अच्छा खेलते हैं तो प्यार और तारीफें मिलती है और नहीं खेलते तो प्रशंसकों को हमारी आलोचना का अधिकार है। उन्हें टीम से और खेल से प्यार है और आपको प्यार और आलोचना दोनों को स्वीकार करना होगा।

भारतीय टी-20 टीम से रोहित शर्मा, विराट कोहली और अश्विन का बाहर होना तय

सीनियर खिलाड़ियों की होगी छुट्टी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टी-20 टीम में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। टी-20 विश्वकप 2022 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से करारी हार के बाद कई सीनियर खिलाड़ी आलोचकों के निशाने पर हैं। इस हार के बाद बीसीसीआई ने सीनियर चयन समिति को भंग कर दिया था। बीसीसीआई के करीबी सूत्र बताया कि टी-20 विश्वकप 2024 में एक नई टीम मैदान पर खेलती दिखेगी। यह भी दावा किया जा रहा है कि हार्दिक पांड्या को टी-20 फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी जायेगी और रोहित शर्मा विराट कोहली, आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की टीम से छुट्टी होगी।

बीसीसीआई सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि बीसीसीआई कभी किसी खिलाड़ी को संन्यास लेने के लिए नहीं कहता। यह एक

व्यक्तिगत फैसला होता है। लेकिन हां, 2023 में कुछ ही टी-20 मैच होने हैं, ज्यादातर सीनियर्स वनडे और टेस्ट मैचों पर ध्यान देंगे। अगर आप नहीं चाहते हैं तो आपको संन्यास की घोषणा करने की जरूरत नहीं है।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़ के साथ समीक्षा मीटिंग स्थगित की

बीसीसीआई ने कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ होने वाली समीक्षा बैठक को दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दिया है। बोर्ड के इस फैसले से रोहित और द्रविड़ ने राहत की सांस ली होगी। बीसीसीआई नई क्रिकेट सलाहकार समिति के अलावा चयन समिति के कार्यभार संभालने का इंतजार करेगा। अब यह मीटिंग भारत और बांग्लादेश की सीरीज के बाद होगी। नई क्रिकेट एडवायजरी कमेटी दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कार्यभार संभालेगी। जबकि दिसंबर के अंत तक नई चयन समिति तक काम करना शुरू करेगी। भारत के बांग्लादेश दौरे से पहले बोर्ड की रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ के साथ मुंबई में रिव्यू मीटिंग होनी थी। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने बाद में बैठक करने का फैसला किया है।

महिला आईपीएल के लिए पांच फ्रेंचाइजियों की लगेगी बोली

बीसीसीआई का बेस प्राइस 400 करोड़ रखने का फैसला

नई दिल्ली। बीसीसीआई महिला आईपीएल के पहले सीजन का आयोजन मार्च 2023 में करने की आयोजन बना रहा है। महिला आईपीएल में पांच टीमें हिस्सा लेंगी। रिपोर्ट्स की मानें तो फ्रेंचाइजी को खरीदने के लिए बीसीसीआई ने बेस प्राइस 400 करोड़ रू. रखने का फैसला किया है। बीसीसीआई द्वारा जल्द ही ई-नीलामी के लिए टेंडर जारी किया जाएगा।

टूर्नामेंट में 20 लीग मैच होंगे, जिसमें टीमें एक-दूसरे से दो बार खेलेंगी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी। वहीं, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। महिला आईपीएल पर 18 अक्तूबर को बीसीसीआई की 91वीं वार्षिक आम बैठक में मुहर लगी थी। बोर्ड द्वारा जारी एक आधिकारिक मीडिया विज्ञप्ति में यह पुष्टि की गई थी। विज्ञप्ति में कहा गया था, सामान्य निकाय ने महिला इंडियन प्रीमियर लीग के संचालन को मंजूरी दी। बीसीसीआई ने जब पहली बार आईपीएल टीमों के लिए टेंडर जारी किया था तब मुंबई इंडियंस की टीम सबसे महंगी बिकी थी। वह 446 करोड़ रुपए में नीलाम हुई थी। बोर्ड को उम्मीद है कि एक फ्रेंचाइजी के लिए उसे एक हजार से 1500 करोड़ रुपए तक मिल सकते हैं।

अलर्ट मिलते ही ये चील आसमान में मार गिराती है ड्रोन

भारत-यूएस युद्धाभ्यास का मुख्य आकर्षण बनी एंटी ड्रोन चील

औली, (एजेंसी)। उत्तराखंड के औली में चल रहे भारत और अमेरिका के साझा युद्धाभ्यास का मुख्य आकर्षण एंटी-ड्रोन चील है। आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन ये हकीकत है। भारतीय सेना अब जानवरों और खास बर्ड्स को एंटी-ड्रोन तकनीक के लिए इस्तेमाल कर रही है। ऐसी ही एक काइट यानी चील ने मंगलवार को अमेरिकी सेना की मौजूदगी में एक ड्रोन को आसमान में मार गिराया।

रूस-यूक्रेन युद्ध हो या फिर पाकिस्तान से सटी सीमा ड्रोन एक डिसरप्टिव-टेक्नोलॉजी बनते जा रहे हैं। युद्ध के दौरान दुश्मन की सीमा में बमबारी करने से लेकर टैंक और तोप तक को तबाह करने के लिए ड्रोन और यूएवी का इस्तेमाल किया जा रहा है। पाकिस्तान लगातार पंजाब और जम्मू से सटी सीमा में हथियार और ड्रग्स की खेप भी ड्रोन के जरिए भेजता है। ऐसे में इन ड्रोन से निजात पाने के लिए भारतीय सेना जुटी हुई है।

ऐसे मिलता है अलर्ट

डीआरडीओ से लेकर प्राइवेट कंपनियां भी लेजर और फ्रीक्वेंसी जाम करने वाले एंटी-ड्रोन सिस्टम मार्केट में लाई है, लेकिन इन सबके बीच भारतीय सेना ने डॉग्स और काइट (चील) को ड्रोन मार गिराने के लिए तैयार किया है। इन डॉग्स और ईगल (चील) को भारतीय सेना के मेरठ स्थित आरवीसी सेंटर भी खास ट्रेनिंग दी गई है। आसमान में ड्रोन की घनघन की आवाज को दूर से सुनकर ही सेना के असॉल्ट-डॉग्स चौकन्ने हो जाते हैं और अपने हैंडलर को अलर्ट कर देते हैं। ड्रोन का अलर्ट पाते ही ईगल को आसमान में छोड़ दिया जाता है। ये चील आसमान में ड्रोन को ढूंढकर अपने पंजों से गिरा देती है।

यह है खास बात

खास बात ये है कि इन चीलों पर सेना ने एक कैमरा भी लगा दिया है। ऐसे में इन चीलों का इस्तेमाल निगरानी के लिए भी किया जा सकता है। बॉर्डर पर दुश्मन की हरकत पर ये चील निगाह रखने का काम भी कर सकती है। चील पर लगे कैमरे की फुटेज सेना के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है।

क्या आपके पास रावण जैसे 100 सिर हैं... हम आपको हर चुनाव में देखते हैं

खड़गे ने पीएम मोदी पर कसा तंज, भाजपा ने बताया अपमानजनक

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात में सियासी पारा चरम पर है। कांग्रेस और भाजपा के बीच बयानबाजी खत्म होती नजर नहीं आ रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे लगातार पीएम मोदी पर तंज कस रहे हैं, वहीं, भाजपा भी इसका मुंहतोड़ जवाब दे रही है। खड़गे ने एक चुनावी रैली में मोदी की तुलना रावण से कर दी तो भाजपा ने इसे पार्टी की बौखलाहट बतायाछ

अहमदाबाद के बेहरामपुरा में एक जनसभा में खड़गे ने हर चुनाव के लिए मोदी पर बहुत अधिक भरोसा करने के लिए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम आपका (मोदी का) चेहरा निगम चुनाव, एमएलए चुनाव या सांसद चुनाव, हर जगह देखते हैं, क्या आपके पास रावण की तरह 100 सिर हैं? अब उनके इस बयान से भाजपा का पारा भी चढ़ गया है।

पीएम मोदी के नाम पर हर चुनाव में मांगा जा रहा वोट: खड़गे ने आगे कहा कि मैं देख रहा हूं कि पीएम मोदी के नाम पर वोट मांगा जाता है, चाहे वह नगर पालिका चुनाव हो, निगम चुनाव (या विधानसभा चुनाव) उम्मीदवार के नाम पर वोट मांगें, क्या मोदी नगर पालिका में आकर काम करेंगे? क्या वह आपकी जरूरत के समय आपकी मदद करने वाले हैं?

चुनावी गर्मी झेल नहीं पाल रही है कांग्रेस

वहीं, भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस पार्टी पर प्रधानमंत्री का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे गुजरात चुनाव की गर्मी नहीं झेल पा रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने शब्दों पर नियंत्रण खो दिया और पीएम मोदी को रावण कहा। कांग्रेस लगातार गुजरात और उसके बेटे का अपमान कर रही है।

कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है खड़गे का बयान: संबित पात्रा ने भी इस बयान को लेकर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल पीएम के लिए करना उचित नहीं है। ये निंदनीय है और कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। यह सिर्फ पीएम का अपमान नहीं है, यह हर गुजराती और गुजरात का अपमान है।

मुक्त विवि का दीक्षांत समारोह 19 दिसंबर को

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 17वां दीक्षांत समारोह 19 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा दीक्षांत समारोह आयोजित करने की अनुमति मिलने के साथ ही विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेजी से प्रारंभ हो गई है। विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित किए जाने वाले दीक्षांत समारोह को भव्य बनाने विश्वविद्यालय स्तर पर व्यापक तैयारियां चल रही हैं। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। दीक्षांत समारोह से पूर्व विश्वविद्यालय में 9 से 16 दिसंबर तक दीक्षोत्सव सप्ताह मनाया जाएगा, जिसमें परंपरागत खेल प्रतियोगिता, काव्य लेखन, निबंध लेखन, चित्रकला, देश भक्ति गीत, लोक नृत्य, भाषण प्रतियोगिता इत्यादि विभिन्न प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी।

मिर्जापुर पुलिस ने इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

मिर्जापुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले की अदलहट थाना पुलिस ने सोमवार की देर रात एक मुठभेड़ में फरार चल रहे पचास हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनामी बदमाश के पास से असलहा और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक महेश अत्रि ने बताया कि चार दिन पहले इसी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग युवती का शव खदान से बरामद किया गया था। युवती को घर से बुलाकर उसकी हत्या की गई थी। इस हत्याकांड में बिहार के मुस्कीपुर कोठी गोगई थाना गोगरी जिला खगड़िया निवासी विकास पुत्र किशोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। वह घटना के बाद से फरार था। सोमवार रात मुखबिर की सूचना पर अदलहट थाना पुलिस ने उसे घेरा लिया। पुलिस से घिरता देख बदमाश ने उन पर गोली चला दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, इसमें विकास के पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

ब्रिटेन-चीन संबंधों का स्वर्ण युग समाप्त: सुनक

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि चीन के साथ संबंधों का तथाकथित 'सुनहरा युग' खत्म हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अपने पहले विदेश नीति भाषण में श्री सुनक ने कहा कि पिछले दशक के करीबी आर्थिक संबंध 'निष्कपट' थे। उन्होंने ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धियों के प्रति इच्छाधारी सोच को 'मजबूत व्यावहारिकता' के साथ बदलने की जरुरत पर बल देते हुए चीन के प्रति अपने देश के रुख को 'विकसित' करने का भी संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने 'शीत युद्ध बयानबाजी' के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि चीन के वैश्विक महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। श्री सुनक ने पिछले महीने टोरी नेता और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से चीन पर लंदन के रुख को सख्त करने के लिए टोरी 'बैकबेंचर्स' के दबाव का सामना किया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के आवास परिसर कार्यालय की ओर मार्च निकालना पड़ा महंगा

आंध्र के सीएम रेड्डी की बहन शर्मिला को तेलंगाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

विरोध प्रदर्शन का वीडियो वायरल

हैदराबाद, (एजेंसी)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की प्रमुख वाईएस शर्मिला को हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। वाईएस शर्मिला ने मंगलवार को दिन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के सरकारी आवास परिसर कार्यालय की ओर मार्च निकाला था। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोक दिया था। वाईएस शर्मिला आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की बहन हैं। वाईएस शर्मिला ने ये मार्च तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस कार्यकर्ताओं के उन पर और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर कथित हमले के विरोध में निकाला था। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी प्रमुख ने सोमवार को उनकी प्रजा प्रस्थानम नामक राज्यव्यापी पदयात्रा के दौरान वारंगल जिले में कथित हमले की निंदा की थी और फिर मंगलवार को तेलंगाना के सीएम के सरकारी आवास परिसर कार्यालय की और मार्च निकाला।

पुलिस ने क्रेन से उठाई कार, अंदर बैठी रहीं शर्मिला

टेलीविजन पर प्रसारित दृश्यों में दिखा कि वह मार्च के दौरान एक वाहन (जिसकी खिड़की के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए थे) में सवार होकर उसे चला रही हैं, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। शर्मिला ने जब वाहन से बाहर आने से मना किया तो पुलिस क्रेन लेकर आई और वाहन को उठाकर ले गई जबकि वह वाहन में ही बैठी रहीं। पार्टी के कुछ समर्थकों को भी पुलिस वहां से ले गई। वहीं शर्मिला को बाद में एसआर नगर थाने ले जाया गया। जिस सड़क पर वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मार्च कर रहे थे।

दोनों पार्टी के कार्यकर्ता भिड़े

पुलिस ने शर्मिला को रोक दिया था और उन्हें वापस जाने कहा, जबकि उन्हें पुलिस सुरक्षा के साथ हैदराबाद वापस भेज दिया गया। शर्मिला की टिप्पणी का विरोध करते हुए, सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्र हुए। वहीं पुलिस ने टीआरएस और वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के कार्यकर्ताओं, दोनों को तितर-बितर कर दिया। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के नेता ने आरोप लगाया कि शर्मिला की पदयात्रा के दौरान कैरावैन पर सत्तारूढ़ टीआरएस के सदस्यों ने हमला किया था और उसमें आग लगा दी थी। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी और वर्तमान मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला ने पदयात्रा शुरू की है, जो तेलंगाना के 75 विधानसभा क्षेत्रों में 3,500 किमी की यात्रा पूरी कर चुकी है।

मंत्री सत्येंद्र जैन ने जमानत के लिए किया दिल्ली हाईकोर्ट का रुख

बोले- जांच में किया पूरा सहयोग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले न्यायिक हिरासत में चल रहे आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्री सत्येंद्र जैन ने निचली अदालत से जमानत न मिलने पर दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। मामले में निचली अदालत ने जैन को जमानत देने से इंकार कर दिया। इसके बाद आप नेता ने निचली अदालत के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

बकौल सत्येंद्र जैन उन्होंने जांच में पूरा सहयोग किया है। जैन ने कहा कि वह गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ईडी की ओर से 30 सितंबर, 2017 को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किए गए मामले में उन्हें राहत दिए जाने में कोई जोखिम नहीं है। इस हफ्ते के आखिर में जैन की याचिका पर सुनवाई होने की संभावना है।

मुनीर ने संभाला पाक के सेना प्रमुख का पदभार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जनरल असीम मुनीर ने मंगलवार को पाकिस्तान के 17वें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। यहां सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) में आयोजित समारोह में निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने जनरल मुनीर को ''बैटन ऑफ कमांड'' सौंपा, जिन्हें 24 नवंबर को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सेना का नेतृत्व करने चुना था। कार्यक्रम में सेना के कई पूर्व अधिकारी भी शामिल हुए।

असंतुष्ट पाक आर्मी के दो बड़े अफसरों ने दिया इस्तीफा

मुनीर पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ बन गए हैं। उनके सामने चुनौतियों का अलग ही पहाड़ है। कई आंतरिक मुद्दों से तो उन्हें जूझना ही है, इसके अलावा आर्मी के अंदर ही पनप रही नाराजगी को भी शांत करना है। असल में पाकिस्तान में हर कोई आसिम मुनीर के आर्मी चीफ बनने से खुश नहीं है। मुनीर के सेना प्रमुख बनते ही आर्मी में बगावत के सुर उठने लगे हैं। अब हुआ ये है कि आर्मी चीफ बनने की रेस में दो और नाम आगे चल रहे थे। एक थे लें जनरल फैज हमीद और लें जनरल अजहर अब्बास। इन दोनों ही नामों को ऑर्मी चीफ के लिए शॉर्टलिस्ट कर लिया गया था, लेकिन ऐन मौके पर दोनों का ही पत्ता साफ हो गया और ये पद आसिम मुनीर के पास चला गया। इस वजह से अब दोनों फैज हमीद और अजहर अब्बास ने जल्दी रिटायरमेंट का फैसला कर लिया है। हमीद की तरफ से तो हाई कमांड को इस्तीफा भेज भी दिया गया है, कहा जा रहा है कि उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है।

इस प्रकार से इस्तीफा देना कार्यकाल के शुरुआत में ही आसिम मुनीर को काफी सशक्त कर जाएगा। असल में सेना प्रमुख को कई पदों पर बड़े अफसरों को नियुक्त करना होता है। अगर समय से पहले ही कुछ अधिकारी इस्तीफा दे दें, उस स्थिति में आर्मी चीफ नए लोगों की नियुक्ति कर सकता है। यहां भी मुनीर के पास अब वो मौका आता दिख रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद जनरल बाजवा ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि आर्मी का कमांड सुरक्षित हाथों में सौंप कर जा रहा हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि वे आर्मी और देश दोनों के लिए अच्छा काम करेंगे।

योगदानकर्ता सम्मानित

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित सीएसआर कॉन्क्लेव के दौरान सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में प्रमुख सीएसआर योगदानकर्ताओं को सम्मानित किया।

यूपी में 16 आईपीएस अफसरों के तबादले

रमित शर्मा बने प्रयागराज के पहले पुलिस कमिश्नर

लखनऊ, (ब्यूरो)। उत्तरप्रदेश सरकार ने मंगलवार को 16 आईपीएस अधिकारियों को स्थानांतरित किया है। सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार लक्ष्मी सिंह पुलिस कमिश्नर नोएडा बनाई गई हैं।

वहीं अशोक मुथा जैन पुलिस कमिश्नर वाराणसी, आलोक सिंह डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध, सतीश गणेश डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध, अजय मिश्रा पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद, डॉ. प्रीतीन्दर सिंह पुलिस कमिश्नर आगरा बनाए गए हैं। जबकि प्रयागराज के पहले पुलिस कमीशनर रमित शर्मा बने हैं। नोएडा सीपी आलोक सिंह हटा दिया है, वाराणसी सीपी सतीश गणेश भी हटाए गए हैं। तरुण गाबा आईजी लखनऊ रेंज, राकेश सिंह आईजी बरेली रेंज, चंद्र प्रकाश द्वितीय आईजी प्रयागराज रेंज बनाए गए हैं। इनके अलावा मुनि राज अयोध्या के नए एसएसपी, प्रशांत वर्मा एसपी बहराइच, केशव चौधरी एडिशनल सीपी आगरा, शैलेश पांडेय एसएसपी मथुरा तथा अभिषेक यादव और प्रभाकर चौधरी को साइड पोस्टिंग दी गई है।

डांस करते-करते अचानक आया हार्ट अटैक और चली गई शख्स की जान

वाराणसी, (एजेंसी)। वाराणसी में एक युवक की डांस करने के दौरान मौत हो गई। घटना का वीडियो सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि युवक कुछ लोगों के साथ डांस कर रहा है। तभी अचानक लड़खड़ाकर जमीन पर गिर जाता है। अचेत अवस्था में लोग उसे अस्पताल ले जाते हैं। मगर, जांच करने के बाद डॉक्टर उसे मृत घोषित कर देते हैं। डॉक्टर के मुताबिक, युवक की मौत हार्ट अटैक आने से हुई। वाराणसी के पिपलानी कटरा औघड़नाथ तकिया के पास बीती 25 नवंबर को एक शादी थी। इसमें शामिल हुए 40 वर्षीय मनोज विश्वकर्मा रिश्तेदारों के साथ डांस कर रहे थे। तभी वह अचानक लड़खड़ा जाते हैं और जमीन पर जा गिरते हैं। मनोज को गिरा हुआ देख वहां महिलाएं चीखने-चिल्लाने लगती हैं। तुरंत मनोज को अस्पताल ले जाते हैं। मगर, मनोज की जांच करने के बाद डॉक्टर उन्हें मृत घोषित कर देते हैं। डॉक्टर का कहना है कि मनोज की मौत हार्ट अटैक आने की वजह से हुई है।

पहले भी गई है लोगों की जान

डांस करते अचानक आए हार्ट अटैक से मौत होने के कई वीडियो पहले भी सामने आए हैं। राजस्थान में शादी समारोह में स्टेज पर डांस कर रहे युवक की मौत हार्ट अटैक से हो गई थी। सितंबर में जम्मू से वीडियो आया था। यहां पर पार्वती माता का रोल निभा रहे 20 साल के कलाकार की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

रावण का किरदार निभा रहे कलाकार की गई थी जान : अयोध्या जनपद के रुदौली थाना स्थित ऐहार गांव में रामलीला मंचन के दौरान रावण का किरदार निभा रहे कलाकार की जान हार्ट अटैक के कारण चली गई थी। मंच पर 2 अक्टूबर की रात सीताहरण का प्रसंग चल रहा था। उसी समय रावण का किरदार निभा रहे पतिराम अचानक गिर पड़े। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

आज का इतिहास

- **1700 :** किंग चार्ल्स XII के नेतृत्व में महान उत्तरी युद्ध-स्वीडिश बलों ने नारवा की लड़ाई में ज़ार पीटर की रूसी सेना को हराया।
- **1731 :** बीजिंग में भूकंप से लगभग एक लाख लोग मरे।
- **1759 :** दिल्ली के सम्राट आलमगिर द्वितीय की उनके मंत्री ने हत्या की।
- **1782 :** अमेरिकी क्रांति - पेरिस में, संयुक्त राज्य अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन के प्रतिनिधि प्रारंभिक अवसर की संधि पर सहमत हुए। इस समझौते को 1783 में पेरिस की संधि के रूप में सील कर दिया गया था।
- **1803 :** न्यू ऑरलियन्स में स्पेनिश प्रतिनिधि लुइसियाना प्रांत को फ्रांसीसी प्रतिनिधि को स्थानांतरित करता है। 20 दिन बाद, लुइसियाना खरीद के एक हिस्से के लिए फ्रांस ने अमेरिका को क्षेत्र बेच दिया।
- **1853 :** क्रीमियन युद्ध - रूसी नौसेना ने सिनोप की लड़ाई में तुर्क जहाजों के एक बेड़े को डुबो दिया।

विरोध — जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ भड़के चीन के लोग

प्रदर्शन कर मांगा राष्ट्रपति जिनपिंग से इस्तीफा

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए लागू किए गए कड़े नियमों के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इस्तीफे की भी मांग की है। दशकों में यह सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के विरोध में सबसे बड़ा प्रदर्शन हो रहा है। विरोध प्रदर्शन बीजिंग और शंघाई समेत 8 शहरों में फैल चुका है, जिसके बाद से जनता के गुस्से को शांत करने के उद्देश्य से नियमों में कुछ ढील दी गई है, लेकिन जीरो कोविड रणनीति बरकरार रहेगी। हालांकि, चीनी सरकार ने विरोध या शी की आलोचना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बीजिंग शहर में सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि अब उन अपार्टमेंट परिसरों को ब्लॉक नहीं किया जाएगा, जहां संक्रमण पाए जाएंगे। गुआंगजौ में अब बड़े पैमाने पर निवासियों के परीक्षण की आवश्यकता नहीं होगी। उरुमकी और उत्तर-पश्चिम में झिंजियांग क्षेत्र के शहरों में संक्रमण के कम जोखिम वाले क्षेत्रों में बाजार और अन्य व्यवसाय इस सप्ताह फिर से खुलेंगे और सार्वजनिक बस सेवा फिर से शुरू होगी। जीरो कोविड पॉलिसी का उद्देश्य प्रत्येक कोरोना संक्रमित व्यक्ति को अलग-थलग करना है। इस नीति ने अमेरिका समेत अन्य प्रमुख देशों की तुलना में चीन के कोविड मामलों की संख्या को कम रखने में मदद की है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में जो लोग चार महीनों से घर पर ही रह रहे हैं, उनके पास उपयुक्त भोजन और चिकित्सा आपूर्ति की पहुंच नहीं है, इसलिए लोगों की बर्दाश्त करने की क्षमता अब जवाब दे रही है। सत्तारूढ़ दल ने पिछले महीने नियमों को बदलकर व्यवधान को कम करने का वादा किया था, लेकिन संक्रमण में बढ़ोतरी के बाद नियंत्रण को और बढ़ा दिया गया है।

शंघाई से शुरू प्रदर्शन बीजिंग पहुंचा

सप्ताहांत के दौरान पूर्वी महानगर शंघाई में शुरू हुआ प्रदर्शन बीजिंग तक फैल गया है, जहां मध्य शहर में लियांगमाहे नदी के समीप रविवार शाम को सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए। शंघाई के उरुमकी में बृहस्पतिवार को लॉकडाउन के दौरान एक अपार्टमेंट में आग लग जाने की घटना में मारे गए लोगों की याद में मोमबत्तियां लिए हुए लोगों ने सरकार द्वारा मनमाने लॉकडाउन के खिलाफ और शंघाई में प्रदर्शनों के प्रति एकजुटता जताते हुए नारे लगाए। कई राजनयिकों और विदेशियों ने ये प्रदर्शन देखा, क्योंकि ये प्रदर्शन बीजिंग में राजनयिक आवासीय परिसर के समीप हुए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रदर्शन कई घंटे तक हुए और पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया। बता दें कि चीन में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और रविवार को करीब 40,000 नए मामले सामने आए। लगातार पांचवें दिन बीजिंग में कोरोना वायरस के करीब 4,000 मामले सामने आए हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि सोमवार को संक्रमण के 39,452 नए मामले आए, जिनमें 36,304 स्थानीय मामलों में मरीजों में बीमारी के लक्षण नहीं देखे गए।

सुरक्षा बलों ने टीटीपी कमांडर और 10 अन्य को मुठभेड़ में किया ढेर

पेशावर, (एजेंसी)। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अपने मुल्क के उत्तर पश्चिमी हिस्से में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक कमांडर के साथ 10 अन्य आतंकवादियों को एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया। सुरक्षा बलों ने लक्की मारवत जिले में हुई मुठभेड़ में टीटीपी कमांडर टिपू और 10 अन्य को ढेर कर दिया। इस मुठभेड़ में कुछ सुरक्षाकर्मी भी हताहत होने की खबर है। अफगान सीमा से आए टीटीपी के लड़ाके सुरक्षा बलों के जाल में फंस गए, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। प्रतिबंधित टीटीपी ने सोमवार को पाक सरकार के साथ गत जून में किए गए अनिश्चित कालीन संघर्षविराम समझौते को निरस्त कर दिया। टीटीपी ने अपने लड़ाकों को हमले का आदेश दे दिया। उग्रवादी संगठन ने कहा कि विभिन्न इलाकों में सैन्य अभियान मुजाहिदीन (उग्रवादियों) के खिलाफ चलाया जा रहा है, इसलिए आपके लिए यह बाध्यकारी हो जाता है कि आप देशभर में जहां भी हो सके वहां हमला करें।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आई आर ए एस दिवस -2022 आयोजित

प्रयागराज, (ब्यूरो)। आईआरएएस दिवस 2022- प्रयागराज चैप्टर के तहत उत्तर मध्य रेलवे और केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन के आईआरएएस अधिकारियों द्वारा एनसीआर मुख्यालय सूबेदारगंज में मनाया गया। इस दौरान तकनीकी संगोष्ठी हुई। गार्गी उमराव, उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/सामान्य ने सभी अधिकारियों का स्वागत किया।

मुख्य वक्ता योगेश कुमार श्रीवास्तव/प्रधान वित्त सलाहकार/उत्तर मध्य रेलवे ने कोविड अवधि के दौरान लेखा विभाग द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका का उल्लेख किया और तीन प्रमुख शब्दों औचित्य, प्रवीणता और उत्पादकता में अपनी सेवा के मोटो के बारे में समझाया। उन्होंने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के जरिए रेलवे और आईआरएएस के इतिहास और सेवा की शुरुआत के बाद से आईआरएएस अधिकारियों द्वारा हासिल उपलब्धियों पर उपाख्यान साझा किए। वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/ वित्त एवं बजट हमीम अहमद ने आय और व्यय की वर्तमान वर्ष की प्रवृत्ति पर चर्चा की, खातों को सही ढंग से और समय पर संकलित करने में आईआरएएस अधिकारियों की भूमिका और अपेक्षाओं के बारे में विस्तार से बताया।

15 सूत्रीय माँगो के समर्थन में विद्युत अभियन्ताओं, अवर अभियन्ताओं एवं कर्मचारियों ने किया कार्य बहिष्कार

प्रखर वाराणसी। विद्युत कर्मचारियों, अवर अभियन्ताओं एव अभियंताओं से सम्बन्धित 15 सूत्रीय मांगों को लेकर पूर्व घोषित कार्यक्रमनुसार अवर अभियन्ता एवं अभियन्ताओं ने मंगलवार 29 नवम्बर प्रातः 8 बजे से पूर्ण कार्य बहिष्कार कर भिखारीपुर स्थित प्रबन्ध निदेशक पूर्वांचल के कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर सभा की। सभा को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रबन्धन की हठवादिता के कारण पूरे उत्तर प्रदेश के सभी अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं कर्मचारी अनिश्चित कालीन कार्य बहिष्कार पर उतर गये हैं। वक्ताओ ने कहा की मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वर्ष 2000 में सम्पन्न लिखित समझौता एवं गजट का उल्लंघन कर उर्जा निगमो के शीर्ष प्रबन्धन एवं अध्यक्ष उर्जा निगम द्वारा कर्मचारियों को मिल रही सुविधाओं को भी वापस लिया जा रहा है जो घोर आपत्तिजनक है। कई राज्य सरकारो ने संविदा/निविदा कर्मचारियो को नियमित सेवा मे ले लिया है किंतु उत्तर प्रदेश के ऊर्जा निगमो में संविदा/निविदा कर्मचारियों को नियमित करने मे आना-कानी की जा रही है। जब कि आज इन्ही संविदा व निविदा कर्मचारी द्वारा विद्युत उप केंद्रो,लाइनों,कार्यालयों का सफलतापूर्वक कार्य सम्पादित किया जा रहा है,कर्मचारियों को तीन पदोन्नति के टाइम स्केल की सुविधा प्रदान नहीं की जा रही है। विद्युत कर्मचारियो, अवर अभियन्ताओं एवं अभियन्ताओं के कार्य बहिष्कार से सभी कार्यालयों में ताले लटक रहे थे,सभी कॅश काउंटर बंद रहे,कर्मचारियों ने प्रबन्धन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सभा की अध्यक्षता ई0 रामकुमार ने एवं संचालन राजेन्द्र सिंह ने किया। सभा के पश्चात हजारो बिजलिकर्मियो, अभियन्ताओं एवं अवर अभियन्ताओं ने प्रबन्ध निदेशक पूर्वांचल के भिखारीपुर कार्यालय से विशाल मशाल जुलूस शाम 5 बजे निकाला गया जो भिखारीपुर से चलकर भिखारीपुर तिराहा होते हुए नेवादा स्थित राजेन्द्र विहार कॉलोनी तक गया तथा वहाँ से वापस भिखारीपुर प्रबन्ध निदेशक कार्यालय तक आया। मशाल जुलूस में विद्युतकर्मी तरह-तरह से स्लोगन लिखे हुए तख्ती लिए चल रहे थे तथा प्रबन्धन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। कार्य बहिष्कार के चलते विद्युत लाइनो,उपकेंद्रों में आई खराबियों को कर्मचारी ठीक नही करेगा जो लाइन चल रही है चलती रहेगी लेकिन खराबी आने पर बनाया नही जाएगा।

वक्ताओं ने ऊजार्मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की। सतेंद्र कुमार राय प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अंजनी सिंह जिला संगठन मंत्री अटेवा संगठन द्वारा सभा स्थल पर आकर अपना समर्थन दिया गया। सभा को डॉ0 आर0बी0 सिंह, ई0चंद्रशेखर चौरसिया, ई0 संजय भारती, शशिकिरण मौर्य, रमाशंकर पाल, संतोष कुमार,रामकुमार झा, अनिल कुमार,हेमंत श्रीवास्तव, वीरेंद्र सिंह, ओ0पी0 सिंह, जिउतलाल, विजय सिंह, ई0 आशीष कुमार, सोहनलाल,ई0 रत्नेश सेठ,अंकुर पाण्डेय,तपन चटर्जी आदि पदाधिकारियो ने संबोधित किया।

बाल दिवस खेल पखवारा का हुआ समापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वेलफेयर क्लब के तत्वाधान में बाल दिवस खेल पखवारे का समापन नगर के बाबा टेनी मौर्य इंटर कालेज हनुमान नगर सरैया छावनी लाइन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनिल कुमार श्रीवास्तव खण्ड विकास अधिकारी सदर तथा वेलफेयर क्लब के जनपद गवर्नर पवन पाण्डेय ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती और नेहरु जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में कुल 5तरह के खेल स्पून-मार्बल रेस, 400 मीटरफ्लैट रेस ,आटा दौड़ , गिलास पानी दौड़, लँगड़ी दौड़, का आयोजन किया गया। स्कूल के शिक्षक व शिक्षिकाओं में कुर्सी दौड़ का भी शानदार आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने बेहद रूचि दिखाते हुए खेलों में प्रतिभाग किया। क्लब पीआरओ सूर्यरेख मणि ने बताया कि फ्लैट रेस में प्रिय दर्शी मौर्य प्रथम, शिवम कुशवाहा द्वितीय तथा रजनीश यादव को तीसरा स्थान मिला, गिलास पानी में प्रवीण मौर्य प्रथम,आंशिका शर्मा द्वितीय तथा कुलदीप तृतीय स्थान पर रहे , आटा दौड़ में सिद्धार्थ मौर्य प्रथम , शिवम कुशवाहा द्वितीय तथा पवन तृतीय स्थान पर रहे । इसी प्रकार स्फून मार्बल मे सिद्धार्थ मौर्य को पहला, शिवम बरनवाल को दूसरा तथा आरती कुशवाहा को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। वहीँ लँगड़ी दौड़ में रजनीश-पद्मश्री पहले, कुलदीप-सिद्धार्थ दूसरे स्थान पर, सुभम-मनीष तीसरे स्थान रहे। समस्त विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि तथा क्लब जनपद गवर्नर पवन कुमार पांडेय क्लब के संयुक्त सचिव रामनाथ कुशवाहा ने संयुक्त रूप से शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्यारे लाल यादव ने किया।

दिवंगत स्टार क्रिकेटर का क्रिकेट खिलाड़ियों ने मनाया जन्मदिन

प्रखर केराकत जौनपुर । नगर के नार्मल स्कूल मैदान में बुद्धवार को प्रातः सात बजे क्षेत्रीय युवा क्रिकेट खिलाड़ियों ने दिवंगत ऑस्ट्रेलियन स्टार क्रिकेट खिलाड़ी फिलिप जोएल ह्यूज (लिटील डॉन) का जन्म दिवस केक काटकर मनाया। गौरतलब है कि फिलिप ह्यूज ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट टीम के खिलाड़ी थे। वह बाएँ हाथ के सलामी बल्लेबाज होने के साथ ही ह्यूज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के उभरते बल्लेबाज थे, उन्होंने अपना टेस्ट करियर का पदार्पण सन् 2009 में 20 वर्ष की उम्र में किया था। वे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज होने के साथ साथ कभी कभी विकेट कीपर की भूमिका भी निभाया करते थे। 25 नवम्बर 2014 को ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता शेफील्ड शील्ड के साउथ ऑस्ट्रेलिया और न्यू साउथ वेल्स के मैच में 63 रन की

नाबाद पारी खेलते हुए फिलिप को बाउंसर लग गई। फिलिप ने हेलमेट पहन रखा था। परन्तु गेंद सिर के अरक्षित क्षेत्र में लगी। जिसके चलते स्टार खिलाड़ी बेहोश हो गया। आनन फानन में उन्हें अस्पताल ले जाए गया जहाँ उनकी सर्जरी हुई और उन्हें गहन चिकित्सा विभाग में रखा गया। 27नवम्बर 2014को बिना होश आए 26वें जन्मदिन से तीन दिन पहले अल्प आयु में मृत्यु हो गई। अपने करियर में फिलिप ह्यूज ने ऑफिसियल 9023 रन बनाये थे। वही क्षेत्रीय क्रिकेट खिलाड़ीयो द्वारा प्रतिवर्ष स्टार क्रिकेटर लिटील डॉन का जन्मदिन धूमधाम से मानते देखना आम बात है। इस अवसर पर मनीष यादव, नवीन सिंह (रिक्की), मुख्तार खान, विकास यादव (टिंकू), गोविंद यादव, गप्पू यादव, नवनीत यादव, पोलू, सद्दाम, नाजीम, राजेश, किशन समेत तमाम युवा क्रिकेट खिलाड़ी उपस्थित रहे।

बयालसी इंटर कालेज में संपंन्न हुआ राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम

प्रखर जलालपुर जौनपुर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम के तहत बयालसी इंटर कालेज परिसर में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बच्चो को स्वास्थ्य संबंधित जानकारियां भी दी गयी। बुधवार के सुबह जलालपुर क्षेत्र के बयालसी इंटर कालेज में आरबीएसके टीम द्वारा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत कालेज के प्रधानाचार्य शैलेंद्र सिंह ने एनीमिया, स्वच्छता, पोषण मानसिक स्वास्थ्य, घरेलू हिंसा, के विषय और अधीक्षक डॉ आलोक सिंह ने कोविड ,डेंगू के संक्रमण से सम्बंधित जानकारी बच्चो को दिये।जिसमे तीन टोली बनाकर स्वच्छ व आदर्श गांव की विषय पर चार्ट पेपर पर रेखांकित करने के लिए प्रतिभाग करवाया गया। जिसमे प्रथम व द्वितीय व तृतीय टोली को कप देकर पुरष्कृत किया गया। एलटी श्रवण कुमार निर्मल ने 163 बच्चियों के हीमोग्लोबिन का जांच किया गया। कार्यक्रम में आरबीएसके टीम के चिकित्सक डॉ रंजना राय,डॉ हेमंत यादव,डॉ अजित यादव,डॉ नंदिनी ,दिनेश सिंह,रीमा देवी उपस्थित रहें।

बल्टहरा को बचाने में सड़क किनारे चल रही महिलाओं से भिड़ा बाइक सवार

प्रखर केराकत जौनपुर। सड़क पर खड़े एक बल्टहरा को बचाने के चक्कर में बाइक सवार पास से गुजर रही छात्राओं और महिलाओं से जाकर भिड़ गया। जिसके चलते स्वयं सहित आधा दर्जन महिलाएं घायल हो गईं। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने बाइक सवार को बाइक समेत हिरासत में ले लिया। बाद में बाइक सवार के खिलाफ किसी की ओर से कोई शिकायत नहीं होने पर छोड़ दिया। बता दे कि मंलवार की सुबह चंदवक थाना क्षेत्र के बरौटी गांव निवासी अंकित निषाद पल्सर बाइक से घर लौट रहा था। कोतवाली चौराहे के पास अचानक एक बल्टहरा सड़क पर आ गया। जिसको बचाने के चक्कर में अंकित किनारे से गुजर रही छात्राओं और महिलाओं से भिड़ गया।जिसके कारण स्वयं बाइक चालक अंकित निषाद सहित रीना, सुकन्या गौड़, ऋचा त्रिपाठी, जीविका मौर्या, राजनाथ यादव और अल्का देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

150 छात्राओ के बीच स्वास्थ और स्वच्छता पर चला जागरूकता अभियान

प्रखर प्रयागराज। सुमित्रा नंदन पार्क में स्वदेश सेवा संस्थान टीम मेधावी के साथ मिलकर छात्राओ के बीच स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम में चिकत्सा विशेषज्ञ के रूप में डॉ पुष्पा पाल डायरेक्टर एमजीएम अस्पताल व डॉ वर्षा वात्सल्य अस्पताल से उपस्थिति रही। साथ ही कार्यक्रम में वात्सल्य अस्पताल की तरफ से निःशुल्क चिकित्सा कैंप का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ पुष्पा पाल ने छात्राओ को उनके स्वस्थ्य और मासिक समस्याओं से सम्बन्धित कई जानकारियों को बताया साथ ही डॉ वर्षा ने छात्राओ को स्वास्थ रहने के लिए किसका सेवन करना चाहिए इस संदर्भ में जानकारी को साझा किया। छात्राओ द्वारा अपने समस्याओं से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाने पर चिकित्सकों ने उनकी समस्या का उपाय बताया गया।इस कार्यक्रम में छात्राओ को पीसीओडी, और पीसीओएस से संबंधित भी सभी जानकारी को साझा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वदेश सेवा संस्थान से आलोक, निकिता,अनमोल, दिव्यांशु, मन्तसा, सचिन, देव, हरिओम, पूजा, कोमल, तुषार, विशाल व मेधावी से सौरभ व रंजन की उपस्तिथि में यह कार्यक्रम सफल हुआ।

बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामले ऐसे रहें सतर्क

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पिछले 2 से 3 माह के अंदर कई ऐसे मामले और वीडियो भी सामने आए जिसमें व्यक्ति काम करते-करते या फिर खुशी में शामिल होकर डांस करते-करते जमीन पर गिरता है और फिर उसकी मौत हो जाती है। इसके साथ ही साथ ठंड का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में कई तरह की बीमारियों के साथ ही साथ हार्ट अटैक के मामले भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में आमजन को हार्ड अटैक से कैसे बचाव करें इसके बारे में

राजकीय मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ स्वतंत्र सिंह ने इस मामले में कई तरह के टिप्स दिए। जिसको अपनाकर हम इससे बच सकते हैं। उन्होंने बताया कि ठंड का मौसम आते ही इंफेक्शन, सर्दी-खांसी, बुखार समेत कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनमें सबसे खतरनाक है हार्ट अटैक। सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए दिल की सेहत का ख्याल रखने की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। हार्ट अटैक से बचने का वो उपाय जिनसे आप अपने दिल को मजबूत बना सकते हैं और हार्ट अटैक के खतरे के भी बच रह सकते हैं। सर्दी के मौसम में हमारे खून की नसें सिकुड़ने की वजह से दबाव बढ़ जाता है। ब्लड प्रेशर भी बढ़ने लगता है। बीपी बढ़ते ही हार्ट अटैक के मामले सामने आने लगते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, सर्दी में लोगों के शरीर में खून के थक्के बनने लगते हैं।जिसकी वजह से हार्ट अटैक आने की संभावना भी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि सीने में बाए साइड हल्की दर्द होने पर तत्काल उसका इसीजी कराएं और किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले। ठंड के मौसम में लोगों को हार्ट अटैक ज्यादातर मामलों में सुबह के वक्त आता है। सर्दी में सुबह तापमान गिरने से शरीर का तापमान भी कम हो जाता है। इस वजह से शरीर का तापमान बराबर करते हुए ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है जो कि हार्ट अटैक का कारण बन जाता है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के प्रथम एवं सेकंड फेज के दौरान जो लोग कोविड़ 19 से प्रभावित हुए थे। उन लोगों को इससे ज्यादा बचने की जरूरत है। क्योंकि कोविड ने प्रभावित लोगों के लन्स को प्रभावित किया है। और इसमें सबसे ज्यादा बुजुर्ग और युवाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने हार्ट अटक आने के कारणों के बारे में बताया कि यह अनुवांशिक के साथ ही खानपान में तेलीय चीजों का सेवन, अधिकाधिक वजन, दैनिक दिनचर्या में रुचि न रखना, इसके अलावा जीम में जरूरत से अधिक एक्सरसाइज, तनाव का बढ़ना, ब्लड प्रेशर मधुमेह आदि हो सकता है। हार्ट अटैक से बचाव के लिए उन्होंने बताया कि लोगों को फाइबर डाइट जिसमें जौ बाजरा और गेहूं की रोटी शामिल है। के साथ ही हरी सब्जी खाने में एक फल जरूर ले, वसीय पदार्थों का प्रयोग न करें, समय से रूटीन जांच के साथ ही जिम में ट्रेनर के बताए अनुसार ही एक्सरसाइज करें।

घंटों विद्युत बाधित होने के कारण, ग्रामीण जनता है त्रस्त

प्रखर वाराणसी। रोहनिया गुरुवार को काशीपुर सब स्टेशन के अंतर्गत देल्हना फीडर से संचालित 11000 बोल्ट की सप्लाई पर जंपर की जगह विद्युत कर्मचारियों द्वारा फ्यूज बांधा गया है। अपनी सुविधा को देखते हुए बिजली विभाग के लाइनमैनो के द्वारा बांधा गया है। क्षेत्रीय ग्रामीणों का कहना था कि आज सुबह से फ्यूज उड़ा हुआ है। और संबंधित विद्युत विभाग के कर्मचारियों से लेकर आला अधिकारियों तक, की स्थिति यह है कि कोई ग्रामीण जनता की समस्या को सुनने वाला नहीं है। उक्त मामले में ग्रामीणों का यह भी कहना था कि बिजली विभाग का कोई भी कर्मचारी फोन नहीं उठा रहा है।

धरांव में चोरों ने लगभग 5 लाख के जेवरात पर किया हाथ साफ

प्रखर धानापुर चंदौली। थानाक्षेत्र के धरांव गांव में बीती रात हौसला बुलंद चोरों ने मकसूद खान उर्फ गोला के घर में सीढ़ी के सहारे घुस कर आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे दस हजार नगदी सहित लगभग 5 लाख के जेवरात पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। बताया जाता है कि भुक्तभोगी और उसका परिवार अलग अलग कमरे में सो रहे थे। छोटी बहू अपने सास के साथ दूसरे कमरे में थी। चोर घर में बांस के सीढ़ी के सहारे प्रवेश कर गए और सभी कमरों को बाहर से बंद कर दिए और छोटी बहु के कमरे में घुस कर उसमें रखे आलमारी का ताला तोड़ दिया। भुक्तभोगी के अनुसार उसमें रखी सोने की हार, सोने की चेन, मंगलसूत्र, हीरे की अंगूठी सहित लगभग पांच लाख के आभूषण और 10 हजार नगदी गायब था। घटना की जानकारी भोर में तब हुई जब भुक्तभोगी कमरे से बाहर निकलने के लिए

दरवाजा खोलने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इसकी सूचना तत्काल 112 नंबर पर दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी हुई है ।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक और मोटरसाइकिल में हुई टक्कर मोटरसाइकिल सवार हुआ घायल

प्रखर मुहम्मदाबाद यूसुफपुर (गाजीपुर)। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत आज तड़के सुबह काफी कोहरा था। जिसके कारण लगभग 1 फीट की दूरी पर वाहन आने पर दिखाई पड़ रहा था। आज तड़के सुबह लगभग 6:30 बजे अष्ट शहीद इंटर कॉलेज तिराहे पर लाल बालू से लदी एक ट्रक ने 31 राष्ट्रीय राजमार्ग पर विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। बताया जाता है कि स्थानीय क्षेत्र के अष्ट शहीद इंटर कॉलेज के तिराहे के पास दूसरी ओर से अपनी मौसी की बेटी को मोटरसाइकिल पर लेकर भांवरकोल थाना अंतर्गत शेरपुर निवासी इरफान पुत्र आमिर खान उम्र लगभग 18 वर्ष तथा लड़की आशिया उम्र लगभग 12 वर्ष को लेकर लौट रहा था ।इसी बीच भरौली से गाजीपुर जा रही लाल बालू से लदी ट्रक ने इंटर कॉलेज तिराहे पर टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल और ट्रक के टक्कर पर मोटरसाइकिल सड़क पर ही गिर गई ।जबकि मोटरसाइकिल सवार चालक के दाहिने पैर पर ट्रक का पहिया चढ गया और आशिया दूर जा गिरी। जहां उसे काफी चोट आई। सूचना मिलने पर तत्काल चौकी प्रभारी कृष्ण प्रताप सिंह सदल बल घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने तुरंत एंबुलेंस की व्यवस्था कर स्थानीय ट्रामा सेंटर पर घायलों को भेजा। जहां से चिकित्सक ने गंभीर स्थिति देखते हुए घायलों को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। चौकी प्रभारी ने बताया कि नागरिकों द्वारा दिए गए ट्रक नंबर से ट्रक चालक को खोजा जा रहा है ।

युगल प्रेमियों ने लगाई गंगा में छलांग, मल्लाहों हो ने लड़की को बचाया लेकिन प्रेमी का नहीं चला पता

प्रखर मुहम्मदाबाद यूसुफपुर (गाजीपुर)। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत आज तड़के सुबह बच्छलपुर गंगा घाट पर युगल प्रेमियों ने लगभग 6 सुबह बजे गंगा में छलांग लगा दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि युगल प्रेमियों के छलांग लगाने का कारण परिजनों की डांट फटकार व विवाह का ना होना बताया गया है कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि रसूलपुर हकीम निवासीनी अदिता बिंद पुत्री रामबली बिंद उम्र लगभग 17 वर्ष भांवरकोल प्रतिदिन काम करने जाती थी वही परसपुर थाना भावर कोल निवासी नितेश कनौजिया उम्र लगभग 20 वर्ष भी काम करता था दोनों के बीच प्रेम हो गया तथा दोनों ही विवाह करना चाहते थे परिजनों के अनुसार वे इस विवाह के पक्ष में नहीं थे परिणाम स्वरूप आज तड़के सुबह युगल प्रेमियों ने बसंतपुर गंगा घाट पहुंचकर एक साथ आत्महत्या करने की नियत से गंगा में छलांग लगा दी संयोगवश अल्लाह जो गंगा घाट पर उपस्थित थे तत्काल गंगा में छलांग लगाकर दोनों को बचाने की कोशिश किए काफी मशक्कत के बाद महिलाओं ने लड़की को बचा लिया लेकिन लड़के का कोई पता नहीं चला प्रभारी कोतवाली ने सूचना दिया कि इस संबंध में रेस्क्यू टीम को लगा दिया गया है प्रभारी कोतवाली सूचना मिलने पर तत्काल बक्शीपुर घाट पहुंचे तथा लड़की को अपने कब्जे में लेकर कोतवाली ले आए प्रभारी कोतवाली ने बताया कि अभी तक लड़के का कोई पता नहीं चल पाया है बरामद लड़की के परिजनों को सूचित कर दिया गया है तथा विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सवा किलो गांजा संग तश्कर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार पुलिस प्रशासन की प्रतिदिन की धर पकड़ अभियान के अन्तर्गत आज बुधवार को उप निरीक्षक हरिश्चन्द्र वर्मा अपनी टीम के साथ वाँछितो , अभियुक्त, वारण्टी व रोकथाम जुर्म जरायम में उतरौली नहर पुलिया पर मामूर थे की मुखबीर के जरिये खास सूचना मिली की एक व्यक्ति नाजायज गांजा लेकर भदौरा से रेवतीपुर की तरफ आ रहा है । उपरोक्त व्यक्ति जैसे ही हम पुलिस वालों को उतरौली नहर पुलिया पर देखा भागने लगा जिसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया । पकड़े गये व्यक्ति का नाम पता पूछने पर अपना नाम भोलानाथ राय पुत्र विरेन्द्र राय निवासी ग्राम रेवतीपुर पट्टी जयन्ती राय थाना रेवतीपुर गाजीपुर बताया । जिसकी जामा तलाशी लिया गया तो हाथ में लिए एक सफेद प्लास्टिक के झोले में कुल 1200 ग्राम गांजा बरामद हुआ । जिसके सम्बन्ध में स्थानीय थाने पर एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम उप निरीक्षक हरिश्चन्द्र वर्मा , महेश प्रसाद, कांस्टेबल प्रसून ओझा, कांस्टेबल मृदुल त्रिपाठी शामिल रहे।

शादी में कट्टा लहराते हुए डान्स करने वाला शिरफिरा गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को श्रीमान पुलिस अधीक्षक ओमबीर सिंह गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत उप निरीक्षक पवन कुमार मय पूरी टीम और पुलिस बल के द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर कुछ दिन पूर्व ककरही गांव में शादी समारोह में सरेआम कट्टा लहराते हुए डांस करने का वायरल वीडियो की पतारसी सुरागरसी मे लगातार प्रयासरत पुलिस बल द्वारा बसन्त चक की ओर आते हुए सादात अण्डर पास कस्बा के पास अभियुक्त विपुल कुमार पुत्र रामजी राम निवासी ग्राम नरायनपुर ककरही थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर के पास से एक अदद कट्टा .315 बोर व एक अदद कारतूस जिन्दा .315 बोर नाजायज के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके सम्बन्ध मे स्थानीय थाना पर आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही थाना सैदपुर पुलिस द्वारा की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्र0नि0 शिवप्रताप वर्मा,उ0नि0 पवन कुमार, उ0नि0 हैदर अली मंसूरी, का0 बृजेन्द्र द्विवेदी, का0 अजय पटेल थाना सैदपुर, जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं